www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 चुनौतियों से पार पाने का रास्ता, लाल किले से आत्मनिर्भर भारत का नया रोडमैप

दावा-रूस ने अबतक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया 06

वर्ष :17 | अंक :138 | प्रयागराज , सोमवार 18 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

घर में सोए युवक की धारदार हथियार से हत्या

सहारनपुर जिले में नकुड़ थाना क्षेत्र के एक गांव में 25 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने पीटीआई-को बताया कि थाना नकुड़ क्षेत्र के गांव सांपला बेगमपुर निवासी अंकित (25) का शव रविवार सुबह उसके घर में चारपाई से आधा लटका हुआ मिला। जैन ने बताया कि शनिवार रात अंकित अपने चचेरे भाई अतुल के साथ घर की छत पर सोने गया था और रविवार तड़के करीब चार बजे अंकित का शव नीचे के कमरे में चारपाई से आधा नीचे लटका हुआ मिला। उन्होंने बताया कि अंकित की गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया गया था और कमरे के अंदर व बाहर खून बिखरा हुआ था। अंकित के पिता अशोक ने जब अपने बेटे को इस हालत में देखा तो उन्होंने शोर मचाकर परिजनों और पड़ोसियों को इकट्ठा किया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है कि अंकित छत से नीचे कमरे में कैसे आया और किसने उसकी हत्या की।

विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के उभांव थाना क्षेत्र में रविवार को एक विवाहिता का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय किरन मौर्य का शव शाहपुर अफगा गांव स्थित उसकी ससुराल के घर से रविवार सुबह मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। रसड़ा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक गुप्ता ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि किरन का लगभग आठ वर्ष पहले सनोज मौर्य से विवाह हुआ था और दोनों के बीच अनबन चल रही थी। सीओ के मुताबिक, पति सनोज ने पुलिस को बताया कि रविवार तड़के करीब चार बजे जब उसकी नींद खुली तो उसने देखा कि उसकी पत्नी फंदे से लटकी हुई थी। गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'हलफनामा दें या देश से माफी मांगे'

'वोट चोरी' के आरोपों पर चुनाव आयोग ने दिया जवाब, राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से नकारा

प्रेस कॉन्फ्रेंस

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों को सिरे से नकारते हुए अपनी निष्पक्षता पर जोर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग सभी राजनीतिक दलों को समान मानता है और संविधान के अनुसार कार्य करता है। उन्होंने 'वोट चोरी' जैसे शब्दों को संविधान का अपमान बताया।

एजेंसी

बिहार के बाद पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में भी होगा एसआईआर, चुनाव आयोग ने दी जानकारी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि संविधान के अनुसार, केवल भारतीय नागरिक चुनाव लड़ सकते हैं.

नई दिल्ली: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को स्पेशल इंटेंसिव रीविजन को लेकर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने यह संकेत दिया है कि बिहार के बाद पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में भी इसे लागू किया जाएगा. उन्होंने कहा, ...मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि भारत के संविधान के अनुसार, केवल भारतीय नागरिक ही सांसद और विधायक का चुनाव लड़ सकते हैं. दूसरे देशों के लोगों को चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं है. अगर ऐसे लोगों ने गणना फॉर्म भरा है, तो रकफ प्रक्रिया के दौरान उन्हें कुछ दस्तावेज जमा करके अपनी राष्ट्रीयता साबित करनी होगी. जांच के बाद उनके नाम हटा दिए जाएंगे. 'पंजीयन अधिकारी को शपथ देनी होगी' उन्होंने कहा, लोक प्रतिनिधि कानून के मुताबिक अगर आप उस निर्वाचन क्षेत्र के तब कहा गया कि ये गलत है. आज तक महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी को एक भी मतदाता का नाम प्रमाण के साथ नहीं मिला है. चुनाव हुए आठ महीने हो गए हैं. ज्ञानेश कुमार ने कहा कि ये भी पूछा गया कि आखिरी एक घंटे में इतनी वोटिंग कैसे हुई? चुनाव आयोग ने जवाब दिया था कि अगर 10 घंटे मतदान होता है, तो औसत हर घंटे 10 प्रतिशत होता है... किसी भी बात को 10 बार, 20 बार कहने से वो सच नहीं हो जाता. सूरज सिर्फ.पूर्व में उगता है. किसी के कहने से वो पश्चिम में नहीं उगता.

'एक भी मतदाता का नाम प्रमाण के साथ नहीं मिला

चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति: वोट चोरी के आरोप पर चुनाव आयोग का जवाब

नई दिल्ली: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप और रकफ को लेकर चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के मतदाताओं को निशाना बनाकर राजनीति की जा रही है. उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव प्रक्रिया में एक करोड़ से ज्यादा कर्मचारी, 10 लाख से ज्यादा बूथ लेवल एजेंट और 20 लाख से ज्यादा पोलिंग एजेंट चुनाव के लिए काम करते हैं. इतने सारे लोगों के सामने इतनी पारदर्शी प्रक्रिया में, क्या कोई मतदाता वोट चुरा सकता है?.

वोटर लिस्ट में सुधार आयोग की कानूनी जिम्मेदारी

उन्होंने कहा, वोटर लिस्ट में सुधार चुनाव से पहले होना चाहिए या बाद में? चुनाव आयोग ऐसा नहीं कह रहा है. जनप्रतिनिधित्व कानून कहता है कि आपको हर चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में सुधार करना होगा. यह चुनाव आयोग की कानूनी जिम्मेदारी है ज्ञानेश कुमार ने आगे कहा कि इसके बाद सवाल उठता है कि क्या चुनाव समिति बिहार के सात करोड़ से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंच पाएगी? सच तो यह है ।

बिहार में 'वोट अधिकार यात्रा'

खुली गाड़ी में राहुल-तेजस्वी:लालू बोले-बीजेपी को उखाड़ फेंकना है, राहुल ने कहा-ये संविधान बचाने की लड़ाई

बिहार से राहुल गांधी ने 'मतदाता अधिकार यात्रा' का बिगुल फूंका, भाजपा पर चुनाव चुराने का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वे 'एसआईआर' के बहाने बिहार में वोटों की चोरी नहीं होने देंगे और देश में सच्ची जाति जनगणना सुनिश्चित करेंगे।

एजेंसी

रोहतास , बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर, सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट रिवीजन) के खिलाफ राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' सासाराम से शुरू हुई। यहां के सुआरा हवाई अड्डा ग्राउंड में हुई जनसभा में राहुल बोले, 'ये संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश में बीजेपी-आरएसएस संविधान को मिटाने पर तुले हैं।' 'जहां भी चुनाव होता है, ये जीतते हैं। महाराष्ट्र में ओपिनियन पोल कह रहे थे, महागठबंधन चुनाव जीतेगा। लोकसभा में महागठबंधन जीतता है, लेकिन 4 महीने में उसी क्षेत्र में हम हारते हैं। हमने पता लगवाया तो पता चला 1 करोड़ नए वोटर जादू से पैदा हो गए।' 'बिहार की जनता वोटों की चोरी नहीं करने देगी क्योंकि गरीब-कमजोर लोगों के पास सिर्फ वोट का हक है। आयोग जो कर रहा है, वो सबको पता है। इलेक्शन कमीशन को हम ये नहीं करने देंगे। नरेंद्र मोदी जी और अरबपतियों के साथ सरकार चलाती है। आप का पूरा धन 5-6 अरबपतियों को दिया जाता है।'कई दिनों बाद किसी जनसभा में शामिल हुए राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा- 'चोरों को हटाइए, बीजेपी को भगाइए, हमारी पार्टी को जिताइए। किसी भी कीमत पर भाजपा को सत्ता में आने नहीं देना है। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सभी मिलकर बीजेपी को उखाड़कर फेंकिए।' जनता से सीधा संवाद: इस यात्रा में राहुल गांधी लगातार गरीबों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात कर रहे हैं. उन्होंने सभा में कहा कि पहले आपका नाम वोटर लिस्ट से हटाया जाएगा, फिर राशन कार्ड और सरकारी सुविधाओं से भी आपको बाहर कर दिया जाएगा. यह गरीब विरोधी साजिश है.

बिहार में राहुल गांधी की सियासी वापसी की रणनीति

राहुल गांधी की यह यात्रा केवल एक मुद्दा आधारित अभियान नहीं बल्कि राजनीतिक पुनर्स्थापना की एक सोची-समझी रणनीति भी है. 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'न्याय यात्रा' के बाद यह राहुल का तीसरा बड़ा राष्ट्रीय अभियान है और इस बार फोकस है बिहार, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन पिछले वर्षों में कमजोर पड़ी है.

संविधान को सिर पर रखकर नाचने वालों ने संविधान को रौंदा

पीएम मोदी ने किया द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली/चंडीगढ़: रोहिणी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 17 अगस्त 2025 को दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया. द्वारका एक्सप्रेसवे के दिल्ली खंड और शहरी विस्तार सड़क-पीएम ने जनता के लिए समर्पित किया. उद्घाटन से पहले पीएम मोदी ने रोड शो भी किया. राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन: उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने कहा इस एक्सप्रेसवे का नाम द्वारका है, जिस स्थान पर ये कार्यक्रम हो रहा है. वो रोहिणी है. मैं भी द्वारकाधीश की धरती से ताल्लुक रखता हूं. पूरा माहौल बहुत कृष्णमय हो गया है. थोड़ी देर पहले ही दिल्ली को द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड की कनेक्टिविटी मिली है. इससे दिल्ली, गुरुग्राम, पूरे एनसीआर के लोगों की सुविधा बढ़ेगी. 15 अगस्त को लाल किले से मैंने देश की

"दिल्ली एनसीआर में कम होगा ट्रैफिक": पीएम ने कहा यह अगस्त महीना आजादी और क्रांति के रंगों में रंगा है. आजादी के इस उत्सव के बीच, आज देश की राजधानी दिल्ली, विकास की क्रांति की साक्षी बन रही है.

अर्थव्यवस्था, देश की आत्मनिर्भरता और देश के आत्मविश्वास की बात पूरे विश्वास के साथ कही थी. जब दुनिया भारत को देखती है और उसका मूल्यांकन करती है, तो उसकी पहली नजर हमारी राजधानी दिल्ली पर पड़ती है. इसलिए, हमें दिल्ली को विकास का एक ऐसा मॉडल बनाना है, जहां सभी को लगे कि हां, यह एक विकासशील भारत की राजधानी है.'दिल्ली से कम होंगे कूड़े के पहाड़': प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा अर्बन एक्सटेंशन रोड की एक और विशेषता है, यह दिल्ली को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त करने में मदद कर रही है। अर्बन एक्सटेंशन रोड के निर्माण में लाखों टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं में 7 की मौत, 5 घायल, बचाव अभियान जारी

कठुआ में बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आयी.

एजेंसी

कठुआ: जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के बाद अब कठुआ जिला प्राकृतिक आपदा की चपेट में आया है. रविवार तड़के कठुआ जिले में बादल फटने और भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए. बड़े पैमाने पर राहत-बचाव अभियान चलाया गया.बीती रात बादल फटने से एक गांव तबाह हो गया. इसके चलते 7 लोगों की मौत हो गई जबकि 5 अन्य घायल हो गए. प्रशासन की ओर से राहत बचाव अभियान चलाया गया. घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया.जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बादल फटने की घटना मृतकों की पहचान नहीं हो पायी है. घटना के बारे में अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी.

एलजी ने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कठुआ जिले में बारिश के कारण हुए भूस्खलन में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की. उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दे दी गई. खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है पानी

अमित शाह ने दिया हर संभव मदद का आश्वासन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है. शाह ने सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि स्थानीय प्रशासन और एनडीआरई टीमों की मदद से बचाव अभियान जारी है.

ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन के बाद अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भारत लौटे, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी

ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 21 दिन अंतरिक्ष में बिताकर भारत लौटे। दिल्ली एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया, जहां मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद थे। यह मिशन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है। ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन पूरा कर और अंतरिक्ष में 21 दिन बिताने के बाद भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला रविवार को भारत लौट आए हैं। एक महीने पहले उन्होंने इस ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा को अंजाम दिया था। शुभांशु शुक्ला का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया गया।

ओवैसी का एनसीआरटी की पाठ्यपुस्तक संशोधन पर आरएसएस-बीजेपी पर हमला

इतिहास से छेड़छाड़ का लगाया आरोप

एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में भारत के विभाजन के लिए जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है.

एजेंसी

नई दिल्ली: ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए उन पर स्कूल एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में चुनिंदा बदलावों के माध्यम से इतिहास को व्यवस्थित रूप से विकृत करने का आरोप लगाया है. एक टेलीविजन बहस में शनिवार को ओवैसी ने स्कूल के पाठ्यक्रम से महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्यों को हटाये जाने पर सवाल उठाया. इसमें बंगाल मंत्रिमंडल में भारतीय जनसंघ के नेता श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमिका के साथ-साथ फजलुल हक की भूमिका भी शामिल थी, जिन्होंने मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन में पाकिस्तान प्रस्ताव पेश किया था. एआईएमआईएम प्रमुख ने पूछा, 'आप यह क्यों नहीं पढ़ाते कि मुखर्जी कैबिनेट सदस्य थे? यह इतिहास है. इसे क्यों छिपाया जा रहा है?' उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन और एंटी-सेटलमेंट सत्याग्रह (संभवतः रॉलेट सत्याग्रह, जैसे प्रमुख स्वतंत्रता आंदोलनों में आरएसएस की भागीदारी को जानबूझकर स्कूल की पाठ्यपुस्तकों से बाहर रखा गया

भाजपा के खिलाफ हिंदू-मुस्लिम गठबंधन बनाने पर विचार : प्रशांत किशोर

किशोर ने दावा करते हुए कहा, हम महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक गठबंधन बनाना चाहते हैं। ऐसा समीकरण भाजपा को आसानी से हरा सकता है।

एजेंसी

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने महात्मा गांधी और बाबासाहेब आंबेडकर की विचारधाराओं में विश्वास रखने वाले हिंदुओं तथा मुस्लिम समुदाय के बीच गठबंधन बनाकर भाजपा को हराने का संकल्प लिया है। किशोर ने शनिवार को जन सुराज पार्टी से जुड़े मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपना यह दृष्टिकोण सामने रखा। उन्होंने कहा, सभी हिंदू भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन नहीं करते। वास्तव में, यह भी नहीं कहा जा सकता कि अधिकांश हिंदू भाजपा के साथ हैं। हम एक विचारधारा-आधारित गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

झटका व्यापार समझौते की उम्मीदों को बड़ा झटका

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता टली

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच होने वाली महत्वपूर्ण व्यापार वार्ता फिलहाल के लिए टल गई है। अमेरिकी व्यापार वाताकारों का 25 से 29 अगस्त तक नई दिल्ली का दौरा रद्द हो गया है। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत को आगे बढाना था। एक सूत्र के मुताबिक, इस वार्ता के रद्द होने से प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत में देरी होगी। इसके अलावा, 27 अगस्त से भारतीय सामानों पर लगने वाले अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ से भी जल्द राहत मिलने की उम्मीदें कम हो गई हैं। अमेरिकी दूतावास ने इस मामले पर कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि यह

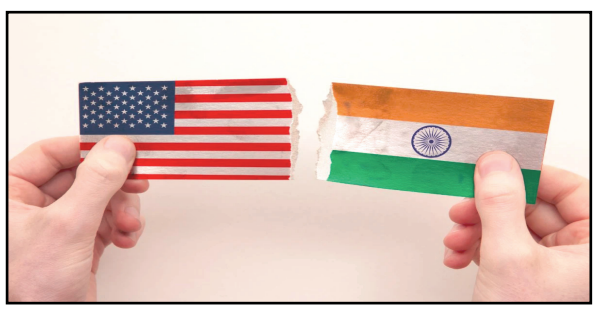

मामला यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के पास है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने भी इस पर कोई तुरंत जवाब नहीं दिया है। इस महीने की शुरूआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामानों पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। उन्होंने इसका कारण भारत द्वारा रूसी तेल का लगातार आयात करना बताया था, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ गया था। यह नया टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। इसके बाद, कुछ भारतीय निर्यात पर कुल शुल्क 50% तक बढ जाएगा, जो कि अमेरिका के किसी भी व्यापारिक साझेदार पर लगाए गए सबसे ज्यादा शुल्कों में से एक है। भारत और अमेरिका के बीच अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन ये सफल नहीं हो पाईं। मुख्य मतभेद भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्रों को खोलने और रूसी तेल खरीदने को लेकर हैं। भारत के विदेश मंत्रालय का कहना है कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोपीय संघ खुद भी रूस से सामान खरीदना जारी रखे हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने किसानों की हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। भारत किसानों की हितों से समझौता नहीं करेगा। किसानों का हित भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के हितों से समझौता नहीं करेंगे। मोदी ने कहा कि मुझे किसानों के हितों की रक्षा के लिए कीमत चुकानी पड़ेगी तो मैं इसके लिए तैयार हूं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जुलाई 2025 के बीच भारत का अमेरिका को निर्यात 21.64% बढ़कर 33.53 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि आयात 12.33% बढ़कर 17.41 अरब डॉलर रहा।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता टल गई है, जिससे भारतीय सामानों पर 27 अगस्त से लगने वाले अतिरिक्त अमेरिकी टैरिफ से राहत की उम्मीदें कम हो गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल आयात को लेकर लगाए गए इन शुल्कों से कुछ भारतीय निर्यात पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जिससे भारत-अमेरिका व्यापार संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

महबूबा मुफ्ती ने कठुआ में बादल फटने की घटना में लोगों की जान जाने पर दुख जताया

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ के कारण हुई जानमाल की हानि पर रविवार को शोक व्यक्त किया। जिले के दो स्थानों-राजबाग के जोध घाटी गांव और जंगलोट के बागरा गांव में सुबह बादल फटने और भूस्खलन होने से सात लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कठुआ जिले में

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कठुआ जिले में बादल फटने से आई बाढ़ के कारण हुई दुखद जनहानि से बहुत दुखी हूं।

बादल फटने से आई बाढ़ के कारण हुई दुखद जनहानि से बहुत दुखी हूं। विनाश की शुरूआती खबरें सचमुच दिल दहला देने वाली हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उन्होंने कहा कि ऐसे मुश्किल क्षणों में प्रशासन द्वारा त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता थी। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, ऐसे महत्वपूर्ण क्षणों में प्रशासन द्वारा त्वरित और निर्णायक कार्रवाई आवश्यक है, हर क्षण महत्वपूर्ण है।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग नहीं,जनादेश का अपमान हो रहा है

इंडिया गठबंधन के नेताओं ने 11 अगस्त को संसद से लेकर चुनाव आयोग मुख्यालय तक विरोध मार्च निकालकर हंगामा किया जबकि चुनाव आयोग ने 30 नेताओं को अपनी बात रखने के लिए बुलाया था । वास्तव में विपक्ष यह दिखाना चाहता था कि उसके विरोध को दबाया जा रहा है, इसलिए ऐसा हंगामा किया गया कि पुलिस को उनकी गिरफ्तारियां करनी पड़ी । विदेशी समाचार पत्रों में यह खबर प्रमुखता के साथ प्रकाशित की गई कि भारत में विपक्ष को चुनावी धांधलियों के खिलाफ आवाज उठाने से रोका जा रहा है । इस पर कई विदेशी समाचार पत्रों द्वारा लेख प्रकाशित करके बताया जा रहा है कि भारत में लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है ।बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्यक्रम पर विपक्ष द्वारा खड़े किये जा रहे विवाद के कारण विदेशी समाचार पत्रों द्वारा इस पारदर्शी प्रक्रिया को विवादास्पद बताया जा रहा है ।राहुल गांधी ने 7 अगस्त को दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस करके चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया है । उनका कहना है कि कर्नाटक में कांग्रेस को 16 सीटें मिलने की उम्मीद थी लेकिन वो केवल 9 सीटें ही जीत पाई । उनका आरोप है कि ऐसा केवल वोट चोरी से हो सकता है इसलिए वो इसे चुनाव चोरी कहते हैं । राहुल गांधी चुनाव आयोग के कर्मचारियों को धमकी देते हुए कहते हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो उनको इसका परिणाम भुगतना होगा । चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को अपने आरोपों पर शपथ पत्र देने का कहा है ताकि वो मामले की जांच कर सके । राहुल गांधी कहते हैं कि वो शपथपत्र नहीं देंगे, उनका बयान ही शपथ पत्र माना जाए । सबसे अजीब बात यह है कि एक तरफ राहुल गांधी मतदाता सूची में फर्जी लोगों का नाम जोड़ने का आरोप लगाते हैं तो दूसरी तरफ बिहार में मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और मृत लोगों के नाम हटाये जाने का विरोध कर रहे हैं । राहुल गांधी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बीमारी का ढिंढोरा पीट रहे हैं लेकिन बीमारी के इलाज का विरोध कर रहे हैं । उन्होंने 7 अगस्त को अपनी प्रेस कांफ्रेंस में जो खुलासा किया है, वो वास्तव में कोई खुलासा है ही नहीं बल्कि एक ऐसा सच है जो इस देश का हर व्यक्ति जानता है । सबको पता है कि मतदाता सूची में मृतकों और अयोग्य लोगों के नाम दर्ज हैं । इसके अलावा ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने अपने नाम कई जगहों पर दर्ज करवाए हुए हैं । राहुल गांधी ने कहा है कि बैंगलुरू सैंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा मतदाता चुपके से जोड़ दिए गए हैं । सवाल यह है कि नये वोटर जोड़ना कैसे गलत है लेकिन राहुल गांधी इन विसंगतियों को लेकर खुद ही नतीजे पर पहुंच गए हैं कि यह सब भाजपा ने अपने फायदे के लिए किया है ।

आज का विचार

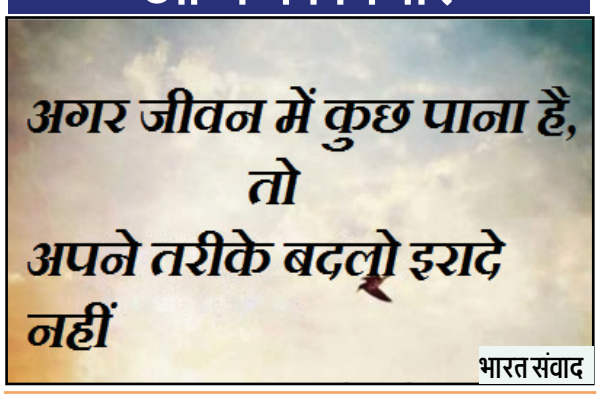

राशिफल

मेष राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपनी निर्णय लेने की क्षमता के चलते लाभ प्राप्त हो सकता है। साथ ही, कुछ साहसिक निर्णयों और कार्यों के चलते आपका व आपके परिवार का गौरव भी बढ़ेगा।

वृषभ राशि: आपको कार्यस्थल पर आज अपने किसी प्रोजेक्ट या कार्य में बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और सम्मान में भी वृद्धि होगी। सांसारिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी और आमदनी के नए मार्ग भी खुलते जाएंगे।

मिथुन राशि: कारोबार के मामले में आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर कोई कानूनी मामला चल रहे है, तो उसमें सावधान रहने की जरूरत है। अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है। वहीं, कार्यस्थल पर समय पर सही निर्णय ले पाने के कारण आपको बाधाओं और हानि का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि : अगर लंबे समय से कार्यस्थल पर आपका प्रमोशन रुका हुआ है तो अब वह पूर्ण हो सकता है। साथ ही, आप अपने बात करने के तरीके और व्यवहार से किसी बड़े अधिकारी को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं। निर्णय लेने की क्षमता से भी आपको लाभ प्राप्त होगा। लेकिन स्वास्थ्य पर खास ध्यान देने की जरूरत होगी। आपको आंखों से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर सकती है।

सिंह राशि : व्यापार करने वालों को कार्यक्षेत्र में कुछ नए परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। वहीं, नौकरी करने वालों के अधिकार में वृद्धि होगी, जिससे आपको आर्थिक लाभ भी मिल सकता है और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कन्या राशि: कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों में वृद्धि हो सकती है और कुछ नई जिम्मेदारियां मिलने की भी संभावना है। अपने सुख के साधनों को बढ़ाने के लिए कुछ धन भी खर्च कर सकते हैं और दूसरों की सेवा में दिन बीतेगा। व्यापार के मामले में धन कमाने के नए रास्ते मिल सकते हैं

तुला राशि : जोखिम भरे काम और फैसलों से बचें कामकाज के मामले में दिन सामान्य से कम अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सोच-विचार करके काम करने के बावजूद कुछ नुकसान होने की संभावना बनी हुई है।

वृश्चिक राशि : नौकरी करने वालों के पद में वृद्धि हो सकती है और अधिकार बढ़ने की भी संभावना है। आपको किसी बहुमूल्य वस्तु से लाभ प्राप्त हो सकता है और कार्यस्थल आपके साहस से विरोधी परास्त हो जाएंगे।

धनु राशि : कार्यक्षेत्र में आप नई-नई योजनाएं बना सकते हैं और किसी नए प्रोजेक्ट पर भी काम शुरू किया जा सकता है। अगर आपका धन लंबे समय से कहीं अटका हुआ था, तो अब वह भी वापस मिल सकता है।

मकर राशि: आप पूरे दिन उत्साह और जोश से भरे रहेंगे, लेकिन आर्थिक मामलों में आपको कुछ अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में बजट बनाकर चलना फायदेमंद रहेगा। नौकरी करने वालों का प्रमोशन हो सकता है

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपको कोई भी काम जल्दबाजी में करने से बचना होगा, अन्यथा हानि का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हर निर्णय या कार्य को धैर्य के साथ करना बेहतर रहेगा। हालांकि, आपके भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी और नए-नए कार्यों की शुरूआत करने से भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है।

मीन राशि : स्वास्थ्य कुछ ठीक नहीं रहेगा। आपको पेट से जुड़ी किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसका असर कामकाज पर भी पड़ेगा। व्यवसाय के मामले में अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो वह आसानी से मिल सकता है। नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें आगे बढ़ाने से सफलता प्राप्त हो सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चुनौतियों से पार पाने का रास्ता, लाल किले से आत्मनिर्भर भारत का नया रोडमैप

प्रधानमंत्री ने लाल किले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की खुलकर तारीफ की। यह कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं को रास नहीं आया। कांग्रेस सदैव आरएसएस पर हमलावर रहती है। विपक्षी खेमा यह जताने में भी जुटा रहता है कि पीएम मोदी और आरएसएस के बीच सब कुछ सही नहीं। शायद इसी कारण प्रधानमंत्री ने आरएसएस की देश सेवा की प्रशंसा करते हुए उसे विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ कहा।

पिछले स्वतंत्रता दिवस के बाद से घरेलू के साथ वैश्विक वातावरण भी बहुत तेजी से बदला है। अपने पड़ोस में बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हालात बहुत तेजी से बदले। फिर अमेरिका की दूसरी बार कमान संभालने वाले डोनाल्ड ट्रंप अपनी मनमानी टैरिफ नीति से दुनिया भर में अस्थिरता फैलाने का काम कर रहे हैं। इसी सिलसिले में उन्होंने जहां भारत को खासतौर पर निशाना बना रखा है, वहीं उस पाकिस्तान की तरफदारी कर रहे हैं, जिसने पहलगाम में भयावह आतंकी हमला कराया और अतीत में खुद अमेरिका को धोखा दिया। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर के तहत अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई की। इसमें पाकिस्तान को तो मुंह की खानी पड़ी, लेकिन शायद अमेरिका और खासकर राष्ट्रपति ट्रंप को भारत की यह सैन्य कार्रवाई रास नहीं आई। वे आपरेशन सिंदूर को थामने और दोनों देशों के बीच कथित संघर्षविराम का श्रेय लेने में जुट गए। अमेरिकी राष्ट्रपति का जिस तरह पाकिस्तान के प्रति झुकाव बढ़ रहा है, वह भारत की चिंता बढ़ाने वाला है। इसका कोई ठिकाना नहीं कि ट्रंप कब क्या कर दें? ऐसी आशंका भी बढ़ रही है कि ट्रंप के कार्यकाल में स्थितियां इतनी बिगड़ जाएंगी कि उनके जाने के बाद भी उन्हें संभाल पाना आसान नहीं होगा। उनका अभी करीब साढ़े तीन साल का कार्यकाल बचा है। मौजूदा अनिश्चित और चुनौती भरे माहौल में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रतता दिवस पर लाल किले से अपने संबोधन से देश के लोगों में नई ऊर्जा भरने का काम किया। उन्होंने नए और बड़े आर्थिक सुधारों का आह्वान किया। इसके लिए एक टास्क फोर्स भी गठित की जाएगी। दीवाली तक जीएसटी में रियायत के आसार दिख रहे हैं। अब जीएसटी के दो स्लैब ही हो सकते हैं। इससे रोजाना इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं के दाम घटने और आम आदमी को राहत मिलने के आसार हैं। प्रधानमंत्री ने जीएसटी में व्यापक बदलाव के साथ ही अन्य आर्थिक सुधारों के लिए भी एक रोडमैप भी दिया है। मोदी सरकार को इस रोडमैप पर चलने के साथ ही राज्य सरकारों का भी सहयोग लेना होगा, क्योंकि एक तो आधे से अधिक राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं और दूसरे, सभी राज्यों के विकास के बिना देश को विकसित बनना संभव नहीं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से किसानों, बेरोजगारों, छोटे-मझोले उद्यमियों के साथ आम आदमी को भी राहत देने वाली कुछ घोषणाएं की हैं। इन घोषणाओं का उद्देश्य देश को आत्मनिर्भर बनाना और ट्रंप के भारत विरोधी रवैये से उपजे हालात का असर कम करना है। सदैव की तरह इस बार भी लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री का संबोधन राष्ट्रवाद से ओतप्रोत रहा। यह उनकी अपनी विशिष्ट शैली है। इसकी झलक पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में बालाकोट में भारतीय वायु सेना की कार्रवाई के बाद के संबोधन में भी मिली थी। यह स्वाभाविक ही था कि प्रधानमंत्री इस बार आपरेशन सिंदूर का विशेष रूप से जिक्र करते और देश की रक्षा-सुरक्षा के लिए कहीं अधिक प्रतिबद्ध दिखते। इस बार उनके तेवर कुछ अलग थे। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी को भी आईना दिखाया, जिन्होंने आपरेशन सिंदूर को लेकर कुछ बेजा सवाल उठाए और इन दिनों उनके कारण ही बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का मुद्दा भी चर्चा में है। सुप्रीम कोर्ट इस पर सुनवाई कर रहा है। उसने कहा है कि मतदाता सूचियां तैयार करने का दायित्व चुनाव आयोग का है। ध्यान रहे चुनाव आयोग ने यह संदेह जताया था कि बिहार में दूसरे देशों के लोग और यहां तक कि घुसपैठिए भी मतदाता बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने इसी संबंध में डेमोग्राफी में आ रहे बदलाव का मुद्दा उठाया और एक अभियान शुरू करने की घोषणा की। स्पष्ट है कि उनके निशाने पर बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 12 बार देश को संबोधित कर चुके प्रधानमंत्री मोदी को इसके पहले अवैध घुसपैठियों के मुद्दे पर इतना मुखर नहीं देखा गया। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता कि बांग्लादेश से घुसपैठ थमने का नाम नहीं ले रही है। यह भी चिंता की बात है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कुछ अन्य विपक्षी नेता बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर करने की कार्रवाई का विरोध करते रहते हैं। यह वोट बैंक की सस्ती राजनीति ही है। प्रधानमंत्री ने लाल किले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की खुलकर तारीफ की। यह कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं को रास नहीं आया। कांग्रेस सदैव आरएसएस पर हमलावर रहती है। विपक्षी खेमा यह जताने में भी जुटा रहता है कि पीएम मोदी और आरएसएस के बीच सब कुछ सही नहीं। शायद इसी कारण प्रधानमंत्री ने आरएसएस की देश सेवा की प्रशंसा करते हुए उसे विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ कहा। बदले हुए घटनाक्रम में जिस प्रकार सरकार और प्रधानमंत्री मोदी की चुनौतियां बढ़ी हैं, उनसे निपटने के लिए ठोस प्रयास जरूरी हो गए हैं। मोदी सरकार को रोजमर्रा के उस भ्रष्टाचार का भी कोई समाधान निकालना होगा, जिससे आम आदमी परेशान रहता है। आम जनता की कुछ तकलीफें बढ़ रही हैं। खासतौर से शहरी इलाकों में लोगों को बहुत परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। बारिश के मौसम में जब स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, तब हमारे छोटे-बड़े शहर जलभराव से बेहाल दिखते हैं। कृषि और समूची अर्थव्यवस्था के लिए जो मानसून वरदान माना जाता है, वही बुनियादी ढांचे और सामान्य जनजीवन के लिए अभिशाप सा बन जाता है। बारिश के मौसम में जनता को गंभीर समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से आत्मनिर्भरता के जिस मंत्र को दृढ़ता से दोहराया, उसमें एमएसएमई सेक्टर और अन्य उद्योगों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। जहां सरकार को उनके लिए ईज आफ डूइंग बिजनेस के माहौल को और बेहतर बनाना होगा, वहीं उद्योग जगत को भी शोध एवं विकास में निवेश बढ़ाकर अपनी गुणवत्ता के साथ उत्पादकता भी बढ़ानी होगी। इससे ही देश घरेलू और बाहरी चुनौतियों का सही तरह से सामना कर पाएगा।

भगवान शिव के साथ पूजी जाती हैं उनकी मानस-पुत्री मनसा विषहरी

(शिव शंकर सिंह पारिजात)

पुरातन काल में सोलह महाजनपदों में शुमार अंगभूमि भागलपुर की ऐसी कई धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं हैं जो इसे विशिष्ट तथा खास बनाती हैं। यहां प्रति वर्ष जगत के नियंता भगवान शिव के साथ उनकी मानस-पुत्री, सर्पों की देवी मनसा विषहरी की धूमधाम से अनुष्ठानपूर्वक पूजा होती है। खास बात यह है कि यहां हर साल जहां सुलतानगंज के उत्तरवाहिनी पवित्र गंगा के पावन तट पर पूरे देश में शिव-पूजन का सबसे बड़ा मेला 'श्रावणी मेला' लगता है, वहीं देवी मनसा विषहरी की आराधना का सबसे बड़ा अनुष्ठान 'मनसा विषहरी पूजन' आयोजित करने का गौरव भी इसी भूमि को प्राप्त है। यहां जहां श्रावण मास में शिव-पूजन की धूम मची रहती है, वहीं भाद्र मास में उनकी मानस-पुत्री मनसा विषहरी के अनुष्ठान की चहल-पहल रहती है। देवी मनसा विषहरी की पूजा भागलपुर जनपद का सबसे बड़ा लोक-पर्व माना जाता है जहां के 150 से अधिक मनसा मंदिरों व पूजा स्थलों में वृहत स्तर पर पूजन आयोजित किये जाते हैं और मेले लगते हैं। यहां यह पूजा बिहुला विषहरी पूजा के नाम से प्रसिद्ध है जिसमें सर्पों की देवी मनसा के साथ सती बिहुला की पूजा होती है।

श्रावण के पावन मास में प्राचीन काल में अंगभूमि के नाम से विख्यात रहे भागलपुर की भूमि शिवमय हो उठती है जब देश के कोने-कोने से प्रतिदिन यहां के सुलतानगंज के पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर जुटनेवाले हजारों-लाखों केसरिया वस्त्रधारी शिवभक्त अपने कांवरों में गंगाजल लेकर 105 किमी की साधना युक्त यात्रा कर इसे देवघर के वैद्यनाथ द्वादश ज्योतिर्लिंग पर अर्पित करते हैं। श्रावण मास में पूरा अंगदेश शिव-आराधना में बोल बम के जयकारों से गूंजायमान हो उठता है। वहीं यह भोले शंकर की लीला है इस अंगभूमि पर पूरे श्रावण मास भगवान शिव के साथ श्रावण-भाद्र मास में उनकी मानस पुत्री मनसा विषहरी की भी पूजा पूरे भक्तिभाव से होती है और सम्पूर्ण वातावरण बोल बम के उद्घोष के साथ बिहुला-विषहरी के गीतों से गूंजायमान हो उठता है। यहां देवी मनसा का पूजन-अनुष्ठान श्रावण मास शुरू होने के करीब तीन दिनों के बाद कर्क की संक्रांति से प्रारंभ हो जाता है जो एक माह तक चलता है।

प्रत्येक वर्ष कर्क की संक्रांति के एक दिन पूर्व भागलपुर के चंपानगर स्थित मुख्य विषहरी मंदिर में देवी मनसा का पूजन-अनुष्ठान सर्प आकृतियों से युक्त एक विशिष्ट प्रकार के कलश स्थापना, जिसे 'वारी घट' (सर्प आकृतियों से युक्त घट) कहते हैं, के साथ प्रारंभ होता है। इस दिन देवी की पिंडी पर बेंत रखकर देवी को धूप, दीप, गंध-पुष्प, नैवेद्य आदि अर्पित किये जाते हैं। अंगभूमि भागलपुर के मनसा विषहरी पूजा की खासियत यह है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी रहती है। विषहरी पूजा की खास जानकारी रखने वाले हेमंत कश्यप बताते हैं कि चंपानगर मुख्य मनसा मंदिर के पंडा सर्वप्रथम वारी कलश की पूजा के लिए कुम्हार के घर जाते हैं जहां वे देवी के पांचों स्वरूपों का पूजन करते हैं। वहां से आने के बाद पिंडी पर भगवती मनसा के पांचों स्वरूप के साथ देवी नेतुला धोबिन की भी पूजा की जाती है। इस दिन पिंडी पर छः सिंगारी सिंदूर की खड़ी रेखा अंकित की जाती है और छहों भाग में भोग अर्पित किया जाते हैं। पांच विषहरी के पांच स्वरूप के लिये और छठा नेतुला धोबिन के लिए अर्पित किये जाते हैं। फिर कर्क की संक्रांति में देवी की विशेष पूजा, भोग, हवन इत्यादि सम्पन्न कर पंडा कुम्हार के घर से गोधूलि बेला में वारी कलश को अपने मस्तक पर उठा कर सेमापुर घाट तक जाते हैं जहां जल छींट कर उनका सत्कार किया जाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष मनसा वारी व्रत रखते हुए वारी घट के साथ घाट तक जाते हैं। और, इस तरह वारी कलश पूजा के सम्पन्न होने के उपरांत चम्पानगर के मुख्य मनसा मंदिर के साथ भागलपुर के मनसा विषहरी मंदिरों में मनसा माहात्म्य पर आधारित बिहुला-विषहरी गाथा का सामूहिक पाठ शुरू हो जाता है जिसका समापन एक माह पूरा होने पर बिहुला-विषहरी की मूर्तियों के स्थापन के साथ होता है जब जगह-जगह पर मेले लगते हैं। रामायण की कथा के अनुसार जिस स्थान पर शिव के त्रिनेत्र की ज्वाला से भस्मीभूत होकर कामदेव ने अपने शरीर का त्याग किया, वह भूमि 'अंग' कहलाई। यहां शिवभक्ति का आलम यह कि यहां उनकी पुत्री मनसा के साथ उनके गले में शोभित होने वाले सर्प के पूजन की भी प्राचीन व विशिष्ट परम्परा है। भागलपुर के चम्पानगर में स्थित मुख्य विषहरी स्थान में नागपंचमी के अवसर पर बासुकी नाग सहित तक्षक, शेषनाग, कार्कोटक, पद्म, महापद्म, शंखपाल सहित कुलिक नागों को विशिष्ट पूजा अर्पण किये जाते हैं। चम्पानगर मुख्य मनसा विषहरी मंदिर में साल भर पीतल एवं अन्य धातुओं की बनी नाग आकृतियों की विधान-पूर्वक पूजा होती है। चम्पानगर के महाशय ड्योढ़ी में एक लोहा बांस-घर है जो अंगभूमि में सर्प पूजन की पुरातन परम्परा का साक्षी है। यह 'लोहा-बांस घर' एक ऐसा स्मृति स्थल जो है बिहुला-विषहरी की लोकगाथा का मुख्य केंद्रबिंदु है जिसे चंपानगर के परम शिव भक्त चांदो सौदागर ने अपने पुत्र बाला लखंदर को देवी मनसा के कोप से रक्षा के लिये देव-शिल्पी विश्वकर्मा से बनवाया था। अंगभूमि भागलपुर में बिहुला-विषहरी की पूजा सदियों से चली आ रही एक लोकगाथा पर आधारित है जिसका गायन पूजा के दिनों में भक्तिभाव से किया जाता है। गाथा के अनुसार के अनुसार जब शिवपुत्री मनसा अन्य देवी-देवताओं की तरह शिव के समक्ष पृथ्वी लोक में पूजित होने की इच्छा जाहिर करती है, तो भगवान शिव कहते हैं कि जबतक पृथ्वी लोक का सबसे बड़ा शिवभक्त चंपानगर निवासी चांदो सौदागर उसकी पूजा नहीं करता, तबतक ऐसा नहीं हो सकता। किंतु जब चांदो सौदागर भगवान शिव के अलावा किसी अन्य देवी-देवता की पूजा करने से इन्कार कर देता है, तो इससे रूष्ट होकर देवी चंद्रधर सौदागर अर्थात चांदो सौदागर की समस्त व्यापारिक नौकाएं और धन-सम्पदा विनष्ट कर देती हैं। देवी के कोप से चांदो सौदागर के सभी पुत्रों की मृत्यु हो जाती है। किंतु इन सभी आपदाओं के बावजूद जब चांदो सौदागर देवी मनसा की पूजा करने को तैयार नहीं होता है, तो वह चांदो से कहती हैं कि उसके छोटे पुत्र बाला लखंदर की मृत्यु सुहागरात के दिन सर्पदंश से हो जायेगी पर परम शिव भक्त इससे भी विचलित नहीं होता है। वह अपने छोटे पुत्र बाला लखंदर की शादी एक परम तेजस्वी कन्या बिहुला से पूरी धूमधाम से करवाता है। और, सुहागरात के दिन अपने पुत्र बाला लखंदर की सर्पदंश से रक्षा हेतु देव-शिल्पी विश्वकर्मा से एक लोहा-बांस का घर बनवाता है जिसमें रत्ती भर भी छिद्र नहीं हो। लोकगाथा के अनुसार देवी मनसा विश्वकर्मा को धमकाकर उस लोहे के घर में केश के बराबर एक छिद्र छुड़वा देती है। अपने श्राप को पूरा करने के मद्देनजर हठी देवी मनसा बाला लखंदर की सुहागरात को नाना प्रकार के विघ्न रचती हैं और कई तरह के विषैले सर्प उस लोहा-बांस के घर में भेजती हैं। पर परम तेजस्वी कन्या बिहुला के सतीत्व के तेज के सामने देवी के सारे प्रयास असफल हो जाते हैं।

पीएम मोदी द्वारा आरएसएस की तारीफ से उभरे आलोचनात्मक स्वरों के सियासी निहितार्थ समझिए

कमलेश पांडेय

देश-दुनिया की सबसे बड़ी अपंजीकृत गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ जब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जो और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवा पार्टी है, के प्रखर नेता, ओजस्वी वक्ता, पूर्व संघ प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से की तो वह कोई साधारण क्षण नहीं था बल्कि आरएसएस की स्थापना के शतक वर्ष पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे प्रधानमंत्री के हृदय से निकला उद्गार है। वहीं, सियासी रूप से मूढ़ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्होंने दलित-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ-भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर ली। वहीं, जिस कांग्रेस ने मुस्लिम लीग विरोधी होने के चलते हिंदुओं के देश भारत की सत्ता पाई, वह जनसंघ/समाजवादियों के बढ़ते प्रभाव से धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने लगी। यही वजह है कि जहां अंग्रेजों द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस ने इसे आरएसएस को खुश करने वाला कदम बताया, वहीं कांग्रेस के दम पर मृत जातिवादी समाजवाद को जिंदा कर सकने वाली समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने इसे संघी साथियों द्वारा अंग्रेजों को धन्यवाद देने का पल करार दिया। शायद ऐसी सियासी उलटबासी परोसते हुए उन्हें शर्म भी नहीं आई. इसलिए इसके राजनीतिक मायने को हम यहां विस्तार पूर्वक समझा रहे हैं। पहले प्रधानमंत्री ने क्या कहा, उसे बताते हैं। लाल किले से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) का जिक्र किया और संघ के अवदानों की खुलकर तारीफ की। पीएम मोदी का लाल किले से यह 12वीं बार भाषण था लेकिन इससे पहले कभी भी उन्होंने इस प्रमुख अवसर पर संघ की तारीफ इस तरह से नहीं की थी। पीएम ने खुले आम कहा कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन ही इसकी पहचान रहे हैं।

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर स्वयंसेवकों ने मां भारती के कल्याण के लिए जो निज जीवन समर्पित किया है, अतुलनीय कार्य किया है, उसी से मौजूदा भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है। यह बात दीगर है कि जहां लोकसभा चुनाव 2024 और उसके नतीजों के बाद बीजेपी और संघ में दूरी दिखी, वहीं पिछले काफी वक्त से पीएम संघ को लेकर अलग-अलग मौकों पर बोले भी और इसकी जमकर सराहना की।

अटल जी सुशासन के संवाहक और महान राष्ट्रवादी थे : केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर अर्पित की श्रद्धांजलि

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को 7- कालिदास मार्ग स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर नए भारत के स्वप्नदृष्टा, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित कीइस अवसर पर उन्होने कहा कि श्रद्धेय अटल जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रहित के लिए समर्पित रहा। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुयेप्राण-प्रण से देश व समाज सेवा की।उनका व्यक्तित्व, उनके आदर्श एवं राष्ट्रधर्म हम सभी के लिए प्रेरणाप्रद है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अटल जी का जीवन और कार्यकाल हम सबके लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। श्रद्धेय अटल जी महान राष्ट्रवादी विचारक, युग दृष्टा, प्रखर वक्ता व सुशासन के संवाहक थे। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अटल जी की कविताएं, उनकी जीवन गाथा, पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।उन्होंने जो आधारशिला रखी थी, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मां श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उसी आधार शिला पर देश का नव निर्माण हो रहा है।उन्होंने अटल जी के जीवन संस्मरणों की याद ताजा करते हुए उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया।

स्ट्रीट डॉग के समर्थन में लोगों का प्रदर्शन

कहा- बेजुबानों को इंसाफ दो, हर डॉग खतरनाक नहीं होता

भारत संवाद

प्रयागराज, स्ट्रीट डॉग के समर्थन में सामाजिक संगठन 'रक्षा' नें प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का उद्देश्य बेजुबान जानवरों की सुरक्षा और उनके प्रति संवेदनशीलता का संदेश देना था। यह प्रदर्शन प्रयागराज के प्रमुख सुभाष चौराहे से शुरू हुआ, जहां शहर के विभिन्न हिस्सों से आए पशु प्रेमी (एनिमल लवर्स) इकट्ठा हुए।रैली की शक्ल में शुरू हुआ यह प्रदर्शन सुभाष चौराहे से निकल कर धरना स्थल तक पहुंचा, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। सभी के हाथों में बैनर, पोस्टर और प्लेकार्ड थे जिन पर 'बेजुबानों को इंसाफ दो', 'कुत्ते भी इस धरती के निवासी हैं', और 'हर कुत्ता खतरनाक नहीं होता' जैसे संदेश लिखे थे। रक्षा एनजीओ की संचालिका वंशिका गुप्ता ने प्रदर्शन स्थल पर

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, हम लोग आज यहाँ इसलिए इकट्ठा हुए हैं क्योंकि इन बेजुबान जानवरों के खिलाफ जो मुहिम चलाई जा रही है, वो न केवल अमानवीय है बल्कि कानून और नैतिकता के भी खिलाफ है। सभी कुत्ते न तो काटते हैं और न ही हर कुत्ते को रैबीज होता है। बहुत से कुत्ते वैक्सीनेटेड होते हैं और कई की नसबंदी भी हो चुकी है। ऐसे में वे समाज के लिए किसी भी प्रकार का खतरा नहीं हैं, जब तक कि उन्हें छेड़ा न जाए। वंशिका ने आगे कहा, हमारी केवल इतनी सी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला सुनाए, वह इन बेजुबानों के अधिकारों को ध्यान में रखते हुए हो। हमें पूरी उम्मीद है कि कोर्ट इंसाफ और करुणा की भावना के साथ इन जानवरों के पक्ष में निर्णय देगा। यह प्रदर्शन न केवल प्रयागराज बल्कि पूरे देश में चल रहे ऐसे ही मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास था। यह दिखाता है

कि समाज का एक वर्ग इन बेजुबान जीवों के लिए गंभीर रूप से चिंतित है और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सामने आ रहा है।

फास्ट ट्रैक

थाना को0शहर पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0शहर पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः17.08.2025 को उप-निरीक्षक अविनाश प्रकाश राय चौकी प्रभारी फतहां मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी भानू पुत्र मुरली निवासी सारीपुर थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चिल्ह पुलिस द्वारा एक नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः17.08.2025 को उप-निरीक्षक सुनील कुमार चौकी प्रभारी टेड़वा मय पुलिस टीम द्वारा एक नफर वारण्टी राम बली यादव पुत्र छक्कन यादव निवासी तुलसीपट्टी थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 02 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः17.08.2025 को उप-निरीक्षक चन्द्र भान सिंह चौकी प्रभारी मण्डी समिति मय पुलिस टीम द्वारा 02 नफर वारण्टी मुकुन्दर बिन्द पुत्र मुरली निवासी चन्द्रदीपा थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर व 2. सिकन्दर बिन्द पुत्र मुरली निवासी चन्द्रदीपा थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को उसके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

भव्य सास्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन-कीर्तन का आयोजन

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर पुलिस लाइन मीरजापुर में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल, पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर, सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर की पत्नी निवेदिता भट्टचारजी भारतीय राजस्व सेवा की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ कराया गया भव्य सास्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन-कीर्तन का आयोजन । श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी, पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर आर.पी. सिंह, सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर की पत्नी निवेदिता भट्टचारजी भारतीय राजस्व सेवा द्वारा दिनांक 16.08.2025 को पुलिस लाइन मीरजापुर में सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के बीच भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराया गया, जिसमें विभिन्न कलाकारों ने भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जिसमें श्रीकृष्ण लीला को दर्शाया गया साथ ही पुलिस कर्मियों द्वारा भावनात्मक प्रस्तुति दी गयी, भारी संख्या में आये दर्शकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम देख भाव विभोर हो गये । सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन किर्तन के उपरान्त सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा अपनी पत्नी के साथ पुलिस लाइन प्रांगण में स्थित मंदिर में विधि विधान के साथ हवन पूजन किया गया तथा श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया तत्पश्चार पुलिस कर्मियों व आमजन में प्रसाद वितरण किया गया ।श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर जनपद मीरजापुर के समस्त पुलिस के उच्चाधिकारीगण व भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

छावनी परिषद कार्यालय में देशभक्ति के रंगों के बीच लहराया तिरंगा

भारत संवाद

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छावनी परिषद कार्यालय, प्रयागराज में देशभक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छावनी परिषद अध्यक्ष ब्रिगेडियर रोबी कपूर ने ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी ने पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान गाकर देशभक्ति का भाव प्रकट किया। आसमान में लहराता तिरंगा उपस्थित जनसमूह के हृदय को गर्व और उमंग से भर गया। इस अवसर पर मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम, नामित सदस्य श्री विनोद वाल्मीकि, सहायक अभियंता श्री मानवेन्द्र, सेनेटरी इंस्पेक्टर श्री अशोक, कार्यालय अधीक्षक श्री अश्विनी यादव, विद्यालय समन्वयक कैप्टन ए.के. सिन्हा, स्टोर इंचार्ज श्री श्रीनिवास पांडे, कार्यालय लेखाकार, राजस्व निरीक्षक, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, छावनी परिषद विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र-छात्राएं सहित सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। इस दौरान ब्रिगेडियर रोबी कपूर ने कार्यालय एवं शिक्षण स्टाफ को प्रशंसा पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।अपने प्रेरणादायी संबोधन में ब्रिगेडियर रोबी कपूर ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को नमन करते हुए देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

भैरोपुर में धूमधाम से मनाया गया भगवान श्री कृष्णा का जन्मोत्सव

भजन कीर्तन एवं ढोल मजीरे के साथ ग्रामीण हुए भक्ति रस में लीन।

भारत संवाद

सुल्तानपुर । भदैंया ब्लाक स्थित भैरोपुर में पूर्व की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री कृष्णा का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया मंदिर प्रांगण में आयोजित यह उत्सव विभिन्न प्रकार की साज सज्जा के साथ रंग बिरंगी झांकी एवं विभिन्न प्रकार की बाल गोपाल की लीलाओं को दशार्ती मूर्तियां के मिश्रण से आकर्षक एवं मोहक दृश्य उभारने का प्रयास किया गया। सभी ग्रामीण पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी भजन कीर्तन एवं भक्ति रस सराबोर हो मध्यरात्रि तक आनंदित रहे ।भारत यादव के प्रतिनिधित्व में भव्य मनमोहक सुंदर काण्ड के पाठ का आयोजन उक्त अवसर पर पूर्व की भांति इस बार भी

किया गया जिसका आनंद ग्रामीण जन बड़ी ही तन्मयता से लिए ढोल मजीरे के साथ नई धुन मिश्रित शैली के माध्यम से इस पाठ का गायन ही इनकी प्रमुख विशेषता है ।महिलाओं द्वारा भी भजन कीर्तन के माध्यम से बाल गोपाल का गुंण गान किया गया। सभी ग्रामीण बच्चे बूढ़े और जवान भक्ति रस सराबोर दिखे। आरती पाठ एवं हवन पूजन के बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

केंद्रीय चिकित्सालय में नई नवनिर्मित लिफ्ट एवं मशीन एनेस्थेसिया वर्क स्टेशन का उद्घाटन

भारत संवाद

उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबन्धक माननीय श्री उपेंद्र चंद्र जोशी जी एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी ने केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे का दौरा किया।इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री जे एस लाकरा एवं प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ हिमांशु मंडल सहित उत्तर मध्य रेलवे सभी विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज, सभी मंडलीय स्तरीय के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।इस अवसर पर महाप्रबंधक महोदय द्वारा एक नई नवनिर्मित लिफ्ट का उद्घाटन किया गया एवं श्री जोशी ने शल्य चिकित्सा कक्ष में भी एक नई मशीन एनेस्थेसिया वर्क स्टेशन का भी उद्घाटन व शुभारम्भ किया। इस मशीन से ऑपरेशन थियेटर में ऑपरेशन करने में बहुत सहायता मिलेगी। इस अवसर पर चिकित्सा निदेशक केंद्रीय चिकित्सालय श्री डॉ एस. के. हंडू ने महाप्रबंधक महोदय के समक्ष चिकित्सालय की अब तक की प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त उल्लेख किया।इसके बाद सभाकक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री उपेंद्र चंद्र जोशी ने अपने संबोधन में चिकित्सा विभाग द्वारा कुंभ मेला में किए गए योगदान एवं उसके बाद किए जा रहे कार्यों व सेवाओं की भूरिभूरि प्रशंसा की व साथ में कुछ सुविधाएं बढ़ाने को भी अपने सुझाव व्यक्त किए।इस अवसर पर डॉ हिमांशु मंडल ने महाप्रबंधक महोदय को उनके मार्ग दर्शन के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रस्ताव में सीएमएस डॉ श्री सुरेंद्र कुमार नाथ जी ने समारोह में उपस्थित सभी लोगो को समारोह में आने के लिए आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

नन्ही मुन्नी बच्चिओं द्वारा झंडारोहण

भारत संवाद

नागरिक सेवा समिति लखनऊ द्वारा 79th स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री राम पार्क नेहरू एंक्लेव गोमती नगर में झंडा रोहण किया गया। नन्हें मुन्नी बच्चियों आदित्री ,रिद्धि ने झंडारोहण किया। बच्चों के देश प्रेम की भावना को जाग्रत करने के लिए एक पहल शुरू की गई जिसमें सबसे छोटी बच्चियों से झंडारोहण कराया गया ।इस अवसर पर सीए अरविन्द कुमार गुप्ता ,अथर्व, चांदनी राय ,पूनम राय रुचि सक्सेना एवं अन्य सभी ने आजादी के इस महापर्व में अपनी सहभागिता दी। झंडा रोहण के बाद सभी को मिष्ठान वितरण डॉ अंजू वार्ष्णेय अध्यक्ष नागरिक सेवा समिति द्वारा किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा भव्य परेड का आयोजन

भारत संवाद

79 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में दिनाँक 15.08.2025 को रेलवे सुरक्षा बल/क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र सूबेदारगंज, प्रयागराज में रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे के द्वारा भव्य परेड का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर मध्य रेलवे के बल सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में एक शानदार परेड की गई। परेड के उपरांत सुश्री रेनू पुष्कर छिब्बर, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेल सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा बल सदस्यों के संबोधन के दौरान सभी बल सदस्यों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं/बधाइयाँ दी गई, साथ ही स्वतंत्र भारत के सूत्रधार अमर शहीदों की शहादत को भी याद किया गया। सुश्री रेनू पुष्कर छिब्बर, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेल सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा वर्ष-2025 में बल सदस्यों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों की सराहना भी की गई एवं बल को निकट भविष्य में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए प्रेरित भी किया गया, साथ ही वर्ष 2026 में और अच्छे कार्य करने हेतु प्रोत्साहित भी किया। इस मौके पर श्री एम० सुरेश, मुख्य सुरक्षा आयुक्त/उ०म०रे० महोदय, श्री विजय प्रकाश पंडित, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त/प्रयागराज मंडल एवं मुख्यालय व मण्डल के अन्य अधिकारीगण व जवान उपस्थित रहें।

शुभकामनायें — घी संक्रांति पर्व हमारी लोकसंस्कृति, परंपरा और पर्वतीय जीवनशैली का प्रतीक

उत्तराखंड के लोकपर्व घी संक्रांति घ्यू त्यार की मेरे प्यारे प्रदेश वासियों को शुभकामनायें

घी संक्रांति, उत्तराखण्ड का दिव्य उत्सव : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश। देवभूमि उत्तराखण्ड की पहचान उसकी प्राकृतिक सुंदरता, अध्यात्म व दिव्यता के साथ उसकी समृद्ध लोकसंस्कृति और पर्वों से भी है। यहाँ मनाए जाने वाले हर त्योहार में प्रकृति, समाज और जीवन मूल्यों की गहरी झलक समाहित है। इन्हीं पर्वों में से एक है घी संक्रांति (घ्यू त्यार, ओल्गिया)। यह पर्व पीढ़ियों से चली आ रही सामाजिक परंपरा और सांस्कृतिक गौरव का उत्सव है।लोकपर्व घी संक्रांति का संबंध हमारी भूमि, अन्न और पशुधन से है। भाद्रपद संक्रांति के दिन मनाया जाने वाला यह पर्व किसान और पशुपालक जीवन की मेहनत का सम्मान है। आज का दिन ताजे अन्न, घी, दूध और स्थानीय खाद्य पदार्थों का उत्सव हैं। ये न केवल स्वादिष्ट बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी होते हैं, जो हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं।यह पर्व सामाजिक और पारिवारिक बंधनों को भी मजबूत करता है। रिश्तों में आत्मीयता, समाज में एकता और जीवन में संतुलन का संदेश भी यह पर्व देता है। पर्वतीय समाज में यह दिन मेल-जोल, आपसी सहयोग और खुशियाँ बाँटने का अवसर है।आज जब आधुनिक जीवनशैली में लोग अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में घी संक्रांति जैसे पर्व हमें अपनी पहचान और परंपराओं से जोड़ते हैं। यह हमें याद दिलाते हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और जीवन्त है। यह पर्व युवाओं को अपनी लोकसंस्कृति पर गर्व करने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रेरणा देता है। उत्तराखण्ड का जीवन प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। यहां की संस्कृति, लोकगीत, त्योहार और परंपराएँ सभी कहीं न कहीं कृषि और पशुपालन से जुड़ी रही हैं। घी संक्रांति इस तथ्य को और अधिक उजागर करती है कि हमारी समृद्ध परंपराएँ हमें आत्मनिर्भरता, परिश्रम, सहयोग और कृतज्ञता का संदेश देती हैं। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यह पर्व पर्वतीय जीवन की कठोर परिस्थितियों में भी खुशी, उल्लास और एकता का प्रतीक है। जब लोग अपनी मेहनत की फसल का पहला अंश अपने प्रियजनों और समाज के साथ साझा करते हैं, तो यह न केवल उनके आत्मिक आनंद को बढ़ाता है बल्कि सामाजिक बंधनों को भी सुदृढ़ करता है।हमारी पर्वतीय जीवनशैली हमें आत्मनिर्भरता, सादगी और परिश्रम का संदेश देती है। यही हमारी असली ताकत है। पर्वों के माध्यम से हमें यही सीख लेनी चाहिए कि चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, अगर हम एकजुट रहेंगे तो कोई भी कठिनाई हमें पराजित नहीं कर सकती।देवभूमि उत्तराखण्ड का यह लोकपर्व घी संक्रांति सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नई ऊर्जा लेकर आए। यह पर्व हमें अपनी परंपराओं पर गर्व करने और उन्हें नई पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रेरणा देता है।

विहिप का 59वां स्थापना दिवस

सुंदरकांड पाठ और भंडारे के साथ मनाया गया समारोह, लोग रहे मौजूद

भारत संवाद

सुलतानपुर, कादीपुर के सरस्वती शिशु मंदिर झारखंड में विश्व हिंदू परिषद ने सुंदरकांड पाठ और भंडारे के साथ अपना स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहविभाग संघ चालक डॉक्टर हृदय राम यादव ने विहिप के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विश्व के हिंदुओं को संगठित और सुरक्षित करने के लिए अगस्त 1964 में मुंबई के सांदीपनी साधनाशाला में विहिप की स्थापना हुई। यह सम्मेलन आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने बुलाया था। स्वामी चिन्मयानंद, मास्टर तारा सिंह और एस एस आप्टे इसके प्रमुख संस्थापक थे। कादीपुर नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद जायसवाल ने बताया कि विहिप का वर्तमान स्वरूप 1966 के प्रयाग कुंभ मेले में आयोजित विश्व हिंदू सम्मेलन में तय हुआ। संगठन का मुख्य लक्ष्य हिंदू समाज को मजबूत करना है। साथ ही हिंदू जीवन दर्शन और अध्यात्म की रक्षा, संवर्धन और प्रचार करना है। विदेश में रहने वाले हिंदुओं और हिंदुत्व की रक्षा भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री चंदन, जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, संतोष कुमार पांडे, जिला मंत्री सच्चिदानंद और सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य अशोक कुमार उपाध्याय, जिला सत्संग प्रमुख राहुल पांडे,मंदिर अर्चक पुरोहित राजेंद्र सोनी, अंजनी पांडे, प्रखंड अध्यक्ष हेमंत शर्मा, विपिन सिंह, अवनीश सिंह, विजय श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, ध्रुव श्याम सिंह, चित्रसेन सिंह, राहुल,पवन जायसवाल, विनोद सिंह,विकास तिवारी, अंश सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ अभियान का हुआ शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ बनाने का लिया गया संकल्प

अटल चौक से मैरिस रोड तक निकाली गई स्वच्छता जागरूकता रैली

भारत संवाद

महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा की पहल पर अलीगढ़वासियों के व्यवहार में स्वच्छता के प्रति बदलाव लाने की दृष्टिगत शुरू किए गए स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ अभियान का शुभारंभ सेंटर पॉइंट अटल चौक से हुआ शुभारंभ कार्यक्रम के अवसर पर अलीगढ़ सांसद सतीश कुमार गौतम दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री ठा. रघु राज सिंह,महापौर प्रशांत सिंघल जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह,कोल विधायक अनिल पाराशर,एमएलसी प्रोफेसर तारिक मंसूर,मानवेंद्र सिंह गुरुजी,चौधरी ऋषिपाल सिंह, कमिश्नर संगीता सिंह,नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा,जिलाध्यक्ष भाजपा कृष्ण पाल लाला,महानगर अध्यक्ष इं.राजीव शर्मा सहित नगर निगम के सभी पार्षद अधिकारी कर्मचारी व्यापार मंडल के पदाधिकारी,एएमयू के प्रोफेसर और स्टूडेंट,सफाई कर्मचारियों की मौजूदगी में हुआ। सभी जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर शहर को स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ बनाने के लिए अपना अपना योगदान देने और स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने की बात को बताया।

महापौर ने दिलाई शपथ

कार्यक्रम में महापौर प्रशांत सिंघल ने शहरवासियों,व्यापारी स्कूली छात्र छात्राओं, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स,सफाई कर्मचारियों को अलीगढ़ को स्वच्छ अलीगढ़ स्वच्छ अलीगढ़ बनाने का संकल्प दिलाते हुए स्वच्छता की शपथ दिलाई।

स्वच्छता मित्र हुए सम्मानित

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने शहर को स्वच्छ बनाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया।

नगर आयुक्त ने बताई रूप रेखा

कार्यक्रम में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और अभियान की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया

महापौर और नगर आयुक्त की पहल पर शुरू हुए स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ अभियान के तहत अलीगढ़वासियों में जन जागरूकता लाने के लिए जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में भव्य जागरूकता रैली सेंटर पॉइंट अटल चौक से मैरिस रोड तक निकाली गई। रैली में शामिल जनप्रतिनिधि शहर वासियों ने स्वच्छ अलीगढ़ स्वस्थ अलीगढ़ का संकल्प लिया अलीगढ़ को पॉलिथीन मुक्त बनाने और सफाई में सहयोग करने के लिए महापौर नगर आयुक्त और कोल विधायक ने दुकान दुकान पर जाकर लोगों को इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

सांसद सतीश गौतम ने कहा

शहर को स्वच्छ रखने की सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है मात्र नगर निगम शहर को स्वच्छ बनाने की कोशिश तो कर सकता है लेकिन पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता सभी शहर वासियों को एकजुट होकर स्वच्छ हृदय से इस पहल में मिलकर काम करने की जरूरत है तभी अलीगढ़ स्वच्छ अलीगढ स्वस्थ अलीगढ होगा।

महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा

हर धर्म स्वच्छता की सीख देता है स्वच्छता में भगवान का वास है सभी शहरवासी संकल्प लें, अपने शहर को गंदगी से आजाद दिलाने के लिए नगर निगम का सहयोग करेंगे अलीगढ़ को स्मार्ट सिटी बनाने के बाद क्लीन सिटी बनाना एकमात्र लक्ष्य नगर निगम का है ।जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा स्वच्छता को आदत बनाने से ही अलीगढ़ की स्वच्छता में परिवर्तन आएगा

कमिश्नर संगीता सिंह ने की सराहना,दी बधाई

अलीगढ़ नगर निगम द्वारा स्वच्छता के प्रति व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए इस अभियान की सराहना करते हुए महापौर और नगर आयुक्त को बधाई दी

फास्ट ट्रैक

राज्य कुराश प्रतियोगिता में गाजियाबाद व सहारनपुर का रहा दबदबा

भारत संवाद

सहारनपुर। डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय सब-जूनियर कुराश प्रतियोगिता का शुभारंभ भव्य समारोह के साथ किया गया। उद्घाटन अधिकता पुण्य गर्ग, दि इंडियन कुराश एसोसिएशन के महासचिव विक्रांत कुमार तथा उत्तर प्रदेश कुराश एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने संयुक्त रूप से किया।महासचिव विक्रांत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया।प्रतिभागियों ने दमदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया उन्होंने आगे बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में किया गया है।चयनित खिलाड़ी आगामी सब-जूनियर राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता (दिनांक 10 से 12 सितम्बर 2025, रायपुर, छत्तीसगढ़) में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे और प्रदेश को पदक दिलाने का प्रयास करेंगे।इस अवसर पर टूर्नामेंट डायरेक्टर किरण, तकनीकी चेयरमैन मंजू नैयाल, वाइस चेयरमैन मोहित शर्मा, निर्णायक मंडल से अंतरिक्ष, निकिता जैन, शगुन, अक्षत, पर्व, विवेक, विकास, अंशुल, कुलभूषण सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व अधिकारी उपस्थित रहे।

निरंकारी मिशन ने शुरू किया वननेस वन अभियान

भारत संवाद

सहारनपुर।सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद से संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा वननेस वन परियोजना के पांचवें चरण का आयोजन देशभर के 600 से अधिक स्थलों पर पूर्ण श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ इसी श्रृंखला में सहारनपुर जनपद के देवबंद ब्रांच, सरसावा ब्रांच, बेहट ब्रांच को भी जोड़ा गया है, देवबन्द में एसडीएम कार्यालय पार्क परिसर में 48 पौधे ब्रांच मुखी प्रकाश चंद के नेतृत्व में लगाए गये इस मौके पर एसडीएम देवबंद युवराज सिंह, लेखपाल दीपमाला मौजूद रहे तथा ब्रांच सरसावा में 110 पौधे अम्बाला हाइवे पर लगाए गये यह पौधे ब्रांच मुखी विश्वास कुमार के नेतृत्व में लगाए गये, बेहट तहसील के अंतर्गत ब्रांच खुर्मपुर में 50 पौधे ब्रांच संयोजक रघुनाथ प्रसाद, मुखी अनूप चंद, संचालक विनय कुमार के नेतृत्व में लगाए गए वर्ष 2021 में आरंभ हुआ यह अभियान अब ऐसे हरे-भरे वृक्षों में परिणत हो चुका है, जो लघु वनों का स्वरूप ले चुके हैं।इस वनों में प्रवासी पक्षियों की वापसी और जैव विविधता का पुनरुत्थान यह प्रमाणित करता है कि यह प्रयास केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि प्रकृति के पुनर्जीवन का माध्यम भी बन चुका है। वननेस वन परियोजना केवल वृक्षारोपण नहीं, यह प्रकृति, सेवा और सह-अस्तित्व का एक जीवंत आंदोलन है।यह अभियान भविष्य की पीढ़ियों को हरीतिमा से समृद्ध वातावरण देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। रोपे गए पौधों की देखभाल और संरक्षण का यह संकल्प उन्हें घने, स्वावलंबी वनों में परिवर्तित करने की दिशा में एक ठोस कदम है जिससे आने वाली पीढ़ियों भी इस सजीव विरासत से लाभान्वित हो सकेंगी।

जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया

सहारनपुर। नारायणपुरी गिल कॉलोनी रेसिडेंट्स असोसिएशन द्वारा जन्माष्टमी का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया जिसमें मंदिर मार्ग नारायणपुरी पर मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए प्रसाद एवं जल सेवा उपलब्ध करवाई गई।कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय पार्षद गौरव कपिल संगठन के अध्यक्ष सुवीर गुप्ता और सचिव राजेश कपूर ने किया।इस अवसर पर इस उत्सव में आने वाले भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया कार्यक्रम में संगठन के सुधीर गर्ग मनोज सैनी अजय वशिष्ट विजय वशिष्ठ सुरेंद्र मोहन कालरा राजकुमार कालरा अजय गोयल भरतेश जैन नितिन बत्रा विभु गुप्ता अंशुल कपूर समीर गुप्ता अभिषेक गुप्ता पूजा कपूर प्रियंका बत्राप्रदीप चोपड़ा वर्षा चोपडा सुनील चैधरी आदि सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

द यश मंगलम शो की नई विशेष काव्यात्मक फिल्म मैं भारत हूँ..! देशभक्ति के जज्बे को समर्पित

स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मुंबई में हुआ लोकार्पण

भारत संवाद

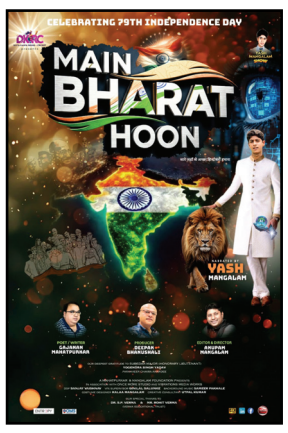

मुंबई, 15 अगस्त। अपनी सृजनात्मक उत्कृष्टता की बदौलत डिजिटल कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में एक बेहतरीन ब्रांड बनकर निरंतर लोकप्रिय होते जा रहे द यश मंगलम शो की नवीनतम पेशकश के अंतर्गत निर्मित विशेष काव्यात्मक फिल्म मैं भारत हूँ..! का लोकार्पण गुरुवार, 14 अगस्त, 2025 को स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर मायानगरी मुंबई में किया गया।देशभक्ति के जोशीले जज्बे को समर्पित इस लघु फिल्म में गौरवशाली इतिहास से लेकर गतिशील वर्तमान और उज्वल भविष्य के चुनौतीपूर्ण पथ पर निरंतर अग्रसर यशस्वी रथ के रूप में हमारे भारत देश के समृद्ध अतीत और विभिन्न वैश्विक उपलब्धियों को बखूबी चित्रित किया गया है।इस विशेष फिल्म में भारत की ऐतिहासिक विरासत, तकनीकी कामयाबी, भौगोलिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर, जॉबाज सैनिकों की बहादुरी और दुनिया में लगातार बढ़ते जा रहे भारत के दबदबे को भी असरदार शैली में शामिल किया गया है। इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न काव्यात्मक वीडियो को मिली निरंतर सफलता के बाद लोकप्रिय द यश मंगलम शो की नवीनतम कड़ी के रूप में वन्स मोर स्टूडियो, मुंबई द्वारा महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत फिल्म यू-ट्यूब के सुरुचिपूर्ण चैनल द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है।इससे पहले इस लोकप्रिय शो की धरोहरः ए पोएटिक सागा, शिल्पकार, योगा रिट्रीट, *सेहत के रखवाले और कारगिल विजय दिवस-ए पोएटिक सागा जैसी प्रभावशाली कड़ियॉ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं।इस शो के जोशीले

प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ. 15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण की अपनी दमदार शैली की बदौलत शो-बिज की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं।इस विशेष फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें मैं भारत हूँ..! शीर्षक से सृजित उनकी विशेष काव्यात्मक अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट फिल्मांकन किया गया है।उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर के लिखे 8 काव्यात्मक वीडियो पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुके हैं।इसी क्रम में अब नवीनतम फिल्म मैं भारत हूँ..! के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है।इस विशेष फिल्म के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के जाने-माने लाइन प्रोड्यूसर दीपक भानुशाली हैं, जिन्होंने एक था टाइगर, जय हो, किक और रंगरेज जैसी चर्चित फि ल्मों में अपनी भूमिका बखूबी निभाई है।दिव्य कन्या राइजिंग क्रिकेट नामक स्पोर्ट्स संस्था यानी ऊङफउ ने इस लघु फिल्म को पेश किया है, जिसका मिशन भारत की युवा प्रतिभाओं खास कर महिला क्रिकेट की हुनरमंद खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देना रहा है।इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील फिल्म को सटीक एडिटिंग एवं कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का बीड़ा उठाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है।इस नवसृजित फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है।वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है।क्रिएटिव कंसल्टेंट उत्पल कुमार हैं। फिल्म की शुरूआत में परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर योगेन्द्र सिंह यादव के प्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट की गई है।वहीं फिल्म के पोस्टर पर वर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के डॉ. एस पी वर्मा और रोहित वर्मा के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया है। पोस्ट प्रोडक्शन वन्स मोर स्टूडियो, मुंबई ने किया है। उल्लेखनीय है कि स्वाधीनता दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस विशेष फिल्म की प्रमुख पंक्तियॉ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

मैं भारत हूँ..! विश्व के नक्शे पर सीमाओं से परे, मैं एक साधना हूँ..! उस सर्वशक्तिमान की निर्मल आराधना हूँ..! मैं एक भावना हूँ....! संघर्ष की, समर्पण की, रीतियों की, रिवाजों की, मैं मिट्टी की उस खुशबू में हूँ, जो किसान के पसीने से निकलती है और लहलहाती फसलों के मनमोहक नर्तन में मचलती है, मैं बच्चों की उस मुस्कान में हूँ, जिनकी मासूमियत में भारत का संस्कार झलकता है और युवाओं की उन सपनीली ऑखों में हूँ, जिनमें देश का सुनहरा भविष्य चमकता है, अपने बहादुर सैनिकों के बलिदानी खून के निरुपम स्वाभिमान से लथपथ हूँ..! मैं भारत हूँ..! मैं भारत हूँ..!

श्रीश्री गौदेवी मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जष्माष्टमी पर्व

प्रेम करूणा, ज्ञान, भक्ति और पर्यावरण के महान चिंतक थे श्रीकृष्णः विजयकांत चैहान

भारत संवाद

सहारनपुर।शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान जूनियर भगत सिंह संस्थापक वन्देमातरम मिशन एक चिंगारी ट्रस्ट के जोशीले जोश और जुनून से भरे क्रांतिकारी मंच संचालन में देर रात्रि तक प्राचीन सिद्ध पीठ श्री गौ देवी मंदिर गौशाला नुमाइश कैम्प सहारनपुर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य सांस्कृतिक देशभक्ति कार्यक्रम हुआ।उदघाटन पूज्य साध्वी उपासना बाई जी व समाजसेवी ठाकुर गजराज सिंह ने रिबन काटकर ध्वजारोहण कर किया।नगर विधायक राजीव गुम्बर मेयर डा. अजय सिंह महामंडलेश्वर जोगेंद नाथ ,शीतल बिश्नोई महानगर अध्यक्ष भाजपा श्री योग चुघ महानगर महामंत्री भाजपा समाजसेवी जयराम गौतम जी व्यापारी नेता महेश नारंग यशपाल मैनी आदि ने द्वीप प्रज्वलित कर भारत माता के चित्र पर पुष्प चढ़ाए ।वीर हुक्म राज ग्रुप के बच्चो ने भगत सिंह राजगुरु सुखदेव के जेल की यातनाओं ओर फांसी के मार्मिक सांस्कृतिक दृश्यों ने दर्शकों के दिल मे रोमांचकारी हलचल पैदा कर दी राह चलते हजारों लोग स्वयं की प्रेरणा से राष्ट्रगान के साथ एक स्वर में बोल उठे इंकलाब जिंदाबाद वन्देमातरम भारत माता की जय भगत सिंह राजगुरु सुखदेव अमर रहे के नारे लगाये ।राजन सौदाई ग्रुप के बच्चों ने हैरत अंगेज सम्पूर्ण कृष्ण लीला श्री कृष्ण के जन्म से लेकर यमना में कालिया नाग के सर पर नृत्य मर्दन व्रन्दावन की लीला व

महाभारत के कौरव वंश के वध तक के भाव भरे दृश्यों से श्री कृष्ण के संदेशों को सांस्क्रतिक प्रस्तुति द्वारा भाव विभो ? कर दिया जनता ने हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की के जय घोष से कान्हा जन्म का स्वागत किया ।देर रात्रि 12 बजते ही पूरी आतिशबाजी के साथ शुद्ध गाय के दूध से बने मावे के केक को बाल कृष्ण व पूर्व मंत्री सजंय गर्ग समाजसेवी राजेन्द्र अनेजा ने काटकर भक्ति की मस्ती में हम सब बोलेंगे कान्हा हैप्पी बर्थडे टू यु गीत पर झूमते नाचते गाते हुए श्री कृष्ण जन्म दिवस धूम धाम से मनाया मावे के केक व माखन मिश्री का प्रशाद हजारों भक्तों में वितरित किया गया ।अंत में कार्यक्रम सयोजक वन्देमातरम मिशन के संस्थापक शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान जूनियर भगत सिंह द्वारा समस्त बाल स्वरूप में सज धज कर आये बाल कृष्ण बने बच्चो व देशभक्ति के साथ कृष्ण लीला करने वाले राजन ग्रुप, हुक्म चंद ग्रुप के कलाकारों व समस्त अतिथियों को पगड़ी पटका माला पहनाकर स्मृति चिन्ह सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया

दस लाख कीमत की स्मैक बरामद, तीन शातिर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर।थाना फतेहपुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तीन शातिर नशा गिरफ्तार कर कब्जे से दस लाख रुपए की अवैध स्मैक बरामद की है। पुलिस ने नशा तस्करों के कब्जे से एक मोटर साइकिल भी बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में मादक पदार्थों, नशे के अवैध कारोबार, प्रतिबंन्धित दवाओं की तस्करी, बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए ठोस एवं समन्वित कार्यवाही हेतू परिक्षेत्र सहारनपुर के तीनो जनपदो में ऑपरेशन सवेरानशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओर अभियान चलाया जा रहा है ।अभियान के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में तथा थाना प्रभारी श्री सचिन पूनिया के कुशल नेतृत्व मे आज थाना फतेहपुर पुलिस टीम द्वारा मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले तीन नशा तस्कर दानिश पुत्र जुल्फान निवासी रेडी ताजपुरा थाना बेहट जनपद सहारनपुर, जीशान पुत्र अहसान निवासी मौ0 मनिहारान कस्बा व थाना रामपुर मनिहारन जनपद सहारनपुर, शाकिर पुत्र अख्तर निवासी मौ0 हरिजन कालोनी गली न0 5 छुटमलपुर थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर को ग्राम रजापुर गंगाली हाईवे फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया।

कृष्ण जन्मोत्सव में विद्यार्थियों में दिखी भक्ति व आनंद की तरंग

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के सुमंगलम छात्रावास एवं राजरत्न छात्रावास में जन्माष्टमी महोत्सव में आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कृष्ण जन्म की पावन बेला पर पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। हर ओर भजनों की मधुर ध्वनि, तालियों की गड़गड़ाहट और श्रद्धा से झूमते विद्यार्थी एक अलग ही आलोकमय दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। कृष्ण जन्मोत्सव के उल्लास ने हृदय में भक्ति व आनंद की नई तरंग जगा दी। वार्डन कैप्टन लक्ष्मण सिंह के निर्देशन में विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, रास लीला और भक्ति गीतों की ऐसी प्रस्तुतियां दीं कि सभी उपस्थित जन भावविभोर हो उठे। कहीं कान्हा की झांकी सजाई गई, तो कहीं भक्ति रस

से सराबोर भजनों ने मन को मोह लिया। इस अवसर पर डा. जितेंद्र यादव, डा. सुजीत महापात्रा, डा. रेखा रानी, मांगेलाल सिंह, गौरव मिश्रा, रामगोपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, अंजू कुमारी, उन्नी कृष्णन, तरुणा सिंह आदि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन न केवल भारतीय संस्कृति की धरोहर को जीवित रखते हैं, बल्कि विद्यार्थी जीवन में नैतिकता, भक्ति और संस्कारों का संचार भी करते हैं। आयोजन समिति में प्रियांशु पाठक, अनन्या द्विवेदी, सुमित, चुलबुल सिंह, खुशी, गुलशन, अंकित, पीयूष, आदर्श ने सक्रिय योगदान दिया। वहीं राजरत्न छात्रावास में वार्डन बुद्धसेन के साथ अंबर, आशीष, सतेंद्र, पंकज कुमार, सुमित झा, सोनू तिवारी, विश्वास मिश्रा, आयुष प्रताप, प्रिंस कुमार, दीपक वर्मा आदि विद्यार्थियों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

जीआईएस सर्वे जनता के साथ छलावाः चावला

भारत संवाद

सहारनपुर। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के महानगर कार्यालय रेलवे रोड स्थित व्यापार भवन पर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें 2 माह पूर्व नगर निगम के प्रवर्तन दल द्वारा व्यापारी अशोक खुराना से मारपीट एवं जीआईएस सर्वे के नाम पर जो नगर निगम द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है कि विसंगतियों के संदर्भ में रहा।

वार्ता में सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के महानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा ने कहा कि लगभग दो माह पूर्व जो व्यापारी अशोक खुराना से नगर निगम के प्रवर्तन दल द्वारा मारपीट की गई इस संदर्भ में दिल्ली रोड पर एक धरने का रोष प्रदर्शन के रूप में किया गया और उसी में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों ने आकर वायदा किया था कि एक जांच समिति बनाई जाएगी और हमने मांग की थी कि उस जांच समिति में एक व्यापारी प्रतिनिधि को भी अवश्य रखा जाए जो इन्होंने नहीं रखा।इन्होंने हमसे वीडियो फुटेज के रूप में सबूत मांगे हमने इनको दिए और जो जांच रिपोर्ट की तिथि इन्होंने तय करी उस तिथि में उन्होंने रिपोर्ट जारी नहीं करी और जब वरिष्ठ व्यापारियों का एक प्रतिनिमंडल जांच कमेटी के अध्यक्ष अपर नगर आयुक्त से मिलने के लिए गया तो वहां पर कैसे जांच कमेटी के अध्यक्ष अपर नगर आयुक्त द्वारा व्यापारियों से बदसलूकी की गयी सर्वविदित ही है उसके बाद भी कई दिनों के बाद जो जांच रिपोर्ट आई उसमें सारा का सारा दोष व्यापारी के सिर पर मढ़ दिया और देखने वाली बात यह है के वीडियो फुटेज देखने के बाद भी व्यापारी को दोषी करार देना और दोषी अधिकारियों , कर्मचारियों को क्लीन चिट दे देना ये कहां का न्याय है। व्यापार मंडल के वरिष्ठ महामंत्री स. सुरिंदर मोहन सिंह चावला ने कहा इसी के साथ जो दूसरा बड़ा मुद्दा जीआईएस सर्वे के नाम पर जनता का उत्पीड़न है यह भी अब बर्दाश्त से बाहर हो चुका है।इस विषय पर भी बार बार लीपापोती करी जा रही है।

बाल जगदम्बा क्लब द्वारा धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

भारत संवाद

सहारनपुर।शहर के प्रतिष्ठित बाल जगदम्बा क्लब की ओर से जन्माष्टमी का भव्य आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।इस अवसर पर मंदिर एवं पंडाल को आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।कार्यक्रम में बच्चों ने भी विशेष प्रस्तुतियाँ देकर सभी का दिल जीत लिया।उनकी मनमोहक झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने जन्माष्टमी

समारोह को और भी यादगार बना दिया।

इस मौके पर सहारनपुर के विधायक श्री राजीव कुम्भार, नगर निगम सहारनपुर के मेयर डॉ. अजय कुमार, श्री मनीष अरोड़ा तथा श्रीमती रूही अंजुम ने शिरकत की।अतिथियों का क्लब की ओर से हार्दिक स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथियों ने जन्माष्टमी के इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक आस्था, संस्कृति और एकता का संदेश देते हैं।उन्होंने बाल जगदम्बा क्लब के पदाधिकारियों व कार्यकताओं के प्रयासों की प्रशंसा की और बच्चों की प्रस्तुतियों की भी मुक्तकंठ से सराहना की।

पूरे कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और सभी ने हर्षोल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद उठाया।

भारत संवाद परिवार
1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित , 2-संरक्षक-भारत संवाद , आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर , (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद) , जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद) , माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

नई कंपनी में अपनी नौकरी पक्की करने के लिए अपनाएं ये मजेदार तरीके

नई कंपनी में शुरुआत में नौकरी पक्की करने के लिए आप चाहे तो कुछ तरीके को अपना सकती हैं। इससे आपका लोगों के साथ बांडिग स्ट्रांग हो जाएगा।

नई कंपनी में नौकरी शुरू करना इतना आसान नहीं होता है। शुरुआत में आप किसी को नहीं जानते हैं तो आपको काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपकी दोस्ती भी नहीं हो पाती है। हर कोई चाहता है कि उसकी नई नौकरी में उन्हें शुरुआत में किसी भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े। शुरुआती कुछ हफ्ते या महीने ही यह तय करते हैं कि आप कंपनी के लिए सही च्वाइस है या नहीं। ऐसे में शुरुआत के 6 महीने में ही आपका मेनेजर यह जान जाता है कि आपको आगे रखना है या नहीं। चलिए जानते हैं नौकरी पक्की करना का आसान तरीका।

पहले इंप्रेशन को बनाएं मजबूत

आपने यह तो सुना ही होगा कि पहला इंप्रेशन ही आखिरी इंप्रेशन होता है। ऐसे में आपको शुरुआत में अपने काम पर काफी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। अगर आपका काम शुरुआत में अच्छा होगा तो आपको आगे जाकर ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

सहकर्मियों से दोस्ती करें

नई नौकरी में आपको तुरंत अपने सहकर्मियों के साथ दोस्ती कर लेनी चाहिए। अगर आप सहकर्मियों के साथ अच्छा बांड शेयर करेंगे तो आपको ज्यादा दिक्कत नहीं होगी। आपको कुछ समय नहीं आ रहा है तो आपको अपने सहकर्मियों की मदद लेनी चाहिए। ध्यान रखें कि शुरुआत में आपको किसी के साथ बदतमीजी नहीं करनी है।

फीडबैक को समझें

शुरुआत में आपके काम को लेकर आपको फीडबैक दिया जाता है। इससे आपको गंभीरता से लेना है और अपने काम को सुधारने की कोशिश करना चाहिए। ऐसे में आपको मिले हुए फीडबैक को समझना चाहिए और उसी के अनुसार आगे का काम करना चाहिए।

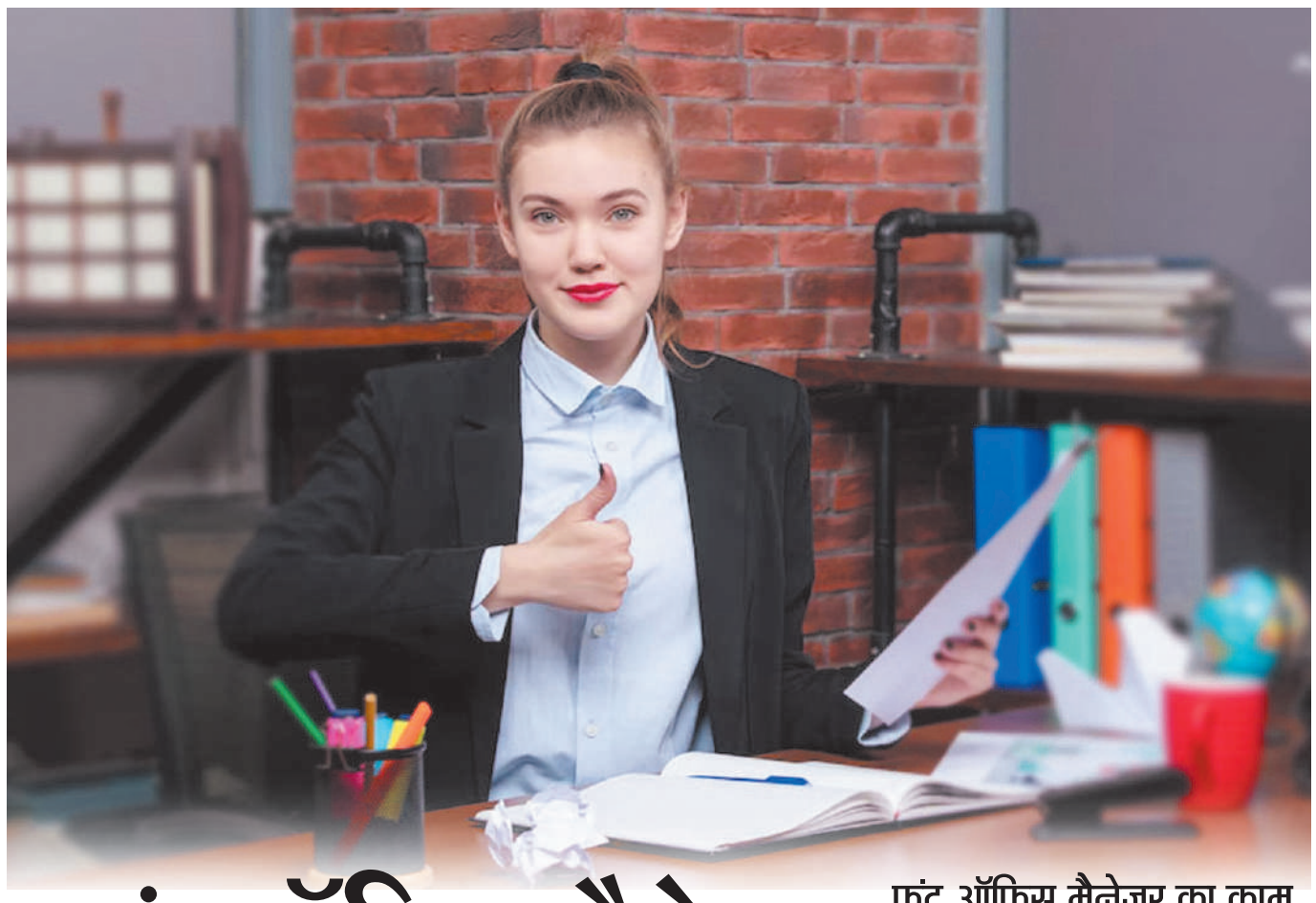

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए क्या करना होगा?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर का काम कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर एक ऐसी भूमिका है, जो किसी भी संगठन के पहले इमेज को दर्शाती है। यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बहुत काम की होगी।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर क्या करते हैं?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर ग्राहकों का स्वागत करता है, उनकी पूछताछ का जवाब देता है और उनकी समस्याओं का समाधान करता है। रिसेप्शन पर कॉल का जवाब देता है, अपॉइंटमेंट लेना और मैसेजेस लेने का काम करता है। होटल या Hospitality में आने वाले मेहमानों को सर्विस देता है। रिसेप्शन एरिया का मैनेजमेंट करता है और कर्मचारियों की देखरेख भी करता है। कमरों, मीटिंग रूम आदि की बुकिंग करने से लेकर रिकॉर्ड रखना और रिपोर्ट तैयार करना इनका काम होता है।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की जिम्मेदारियां

- फ्रंट डेस्क के ऑपरेशन को मैनेज करना
- फ्रंट डेस्क के कर्मचारियों को ट्रेन करना और उनकी मदद करना
- मेहमानों का चेक-इन और चेक-आउट मैनेज करना
- मेहमानों की पूछताछ और शिकायतों का समाधान करना
- हाउसकीपिंग और रखरखाव टीमों के साथ समन्वय करना
- आरक्षण और कमरे के आवंटन की देखरेख करना
- बिलिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग सुनिश्चित करना
- फ्रंट डेस्क की आपूर्ति और सूची बनाए रखना
- मेहमानों के लिए स्वागतयोग्य माहौल बनाना
- होटल की नीतियों और मानकों का पालन सुनिश्चित करना
- शिफ्ट शेड्यूल बनाना
- कॉल सेंटर एजेंट, सुरक्षा गार्ड, और रिसेप्शनिस्ट समेत फ्रंट-ऑफिस कर्मचारियों की देखरेख करना
- शिकायतों और खास ग्राहक अनुरोधों को संभालना

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए योग्यता

- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या समकक्ष कक्षा पास होना
- Hospitality में डिग्री या डिप्लोमा
- होटल प्रबंधन प्रशिक्षण
- होटल में फ्रंट डेस्क या रिसेप्शन पर पिछला अनुभव
- वैलिड और प्रासंगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रशिक्षण

फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए आपको इन कौशलों का भी विकास करना होगा

- मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल
- नेतृत्व और टीम प्रबंधन क्षमताएं
- बेहतरीन समस्या-समाधान और फैसला लेने का कौशल
- विस्तार पर ध्यान और संगठनात्मक कौशल
- फ्रंट ऑफिस सॉफ्टवेयर और माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सूट का इस्तेमाल करने में दक्षता
- तनावपूर्ण स्थितियों को संभालने और समय का असरदार तरीके से प्रबंधन करने की क्षमता
- एमएस ऑफिस, खासकर एक्सेल और वर्ड का अच्छा व्यावहारिक ज्ञान
- अंग्रेजी में माहिर होना (मौखिक और लिखित)

अगर आप किसी होटल में फ्रंट ऑफिस एजेंट, रिसेप्शनिस्ट, या बेलहॉप जैसे निचले पद पर काम करते हैं, तो इससे आपको फ्रंट ऑफिस मैनेजर बनने के लिए लंबे समय में अनुभव हासिल करने में मदद मिल सकती है। एक बार जब आप अनुभवी फ्रंट ऑफिस मैनेजर बन जाते हैं, तो आप अपना करियर आगे बढ़ाकर डिप्टी मैनेजर या जनरल मैनेजर बन सकते हैं।

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी?

फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सैलरी कई बातों पर निर्भर करती है। इनमें शामिल हैं

- प्रतिष्ठान का प्रकार (जैसे, लक्जरी होटल या बजट होटल)
- स्थान (महानगरीय क्षेत्रों में अक्सर ज्यादा सैलरी मिलती है)
- मैनेजर का अनुभव और योग्यता
- आम तौर पर, फ्रंट ऑफिस मैनेजर की औसत सालाना सैलरी 5 लाख रुपये से 12 लाख रुपये के बीच होती है। ग्लासडोर के मुताबिक, साल 2024 में भारत में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की मासिक सैलरी 43,492 रुपये है। वहीं, टाइम्सप्रो के मुताबिक, होटल में फ्रंट ऑफिस मैनेजर की सालाना औसत सैलरी करीब 4 लाख रुपये होती है, यानी हर महीने 29,531 से 30,852 रुपये।

अगर आप भी बनना चाहते हैं एस्ट्रोनॉट?

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए आपके पास इंजीनियरिंग, बायोलॉजिकल साइंस, फिजिकल साइंस, कंप्यूटर साइंस या फिर मैथ्स में बैचलर डिग्री होनी जरूरी है. इन कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड, गेट, आईआईटी जैम जैसे एंट्रेंस एग्जाम दे सकते हैं. आप चाहें पीजी के बाद पीएचडी की डिग्री भी कर सकते हैं.

भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स एक मशहूर एस्ट्रनॉट हैं। अगर आप भी उनकी तरह बनना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं कि नासा और इसरो जैसे संस्थानों से जुड़ने के लिए कौन से कोर्स करने जरूरी होते हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को कौन नहीं जानता है। सुनीता ने इस साल जून में अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी हैं। इसी के साथ साथ उन्होंने तीसरी बार अपनी बुलंदी का झंडा अंतरिक्ष में गाड़ कर इतिहास रच दिया है। ऐसे में भला कौन नहीं उनके जैसा बनना चाहेगा। लगभग हर कोई एस्ट्रोनॉट सुनीता से प्रेरणा लेकर स्पेस में जाने का सपना देखता है, लेकिन इसके लिए पढ़ाई और कुछ कोर्स करना जरूरी होता है, जिसके बिना आप इसरो या नासा में शामिल नहीं हो सकते हैं। अगर आप सुनीता विलियम्स की तरह ही अंतरिक्ष की यात्रा करना चाहते हैं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि इसके लिए आपको कौन से कोर्स करने होंगे और कब से इसकी पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए।

सुनीता विलियम्स कहां तक है पढ़ी-लिखी?

सुनीता विलियम्स ने साल 1983 में नीधम हाई स्कूल और साल 1987 में यूएस नेवल एकेडमी से फिजिकल साइंस में बीएससी की डिग्री हासिल की है। उन्होंने साल 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री ली है। मई 1987 में, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अमेरिकी नौसेना में भर्ती हुईं। 6 महीने के बाद उन्हें बेसिक डाइविंग ऑफिसर का पद मिला। साल 1989 में वे नेवल एविएटर बनीं और इसी के साथ सुनीता लगातार अपनी कामयाबी की सीढ़ी चढ़ रही हैं।

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए करें ये कोर्स

सुनीता विलियम्स की तरह अगर आप भी स्पेस में जाने और तरह-तरह की चीजों को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको से 12वीं के बाद से ही इसके लिए तैयार कर देनी होगी। इसके लिए आप 12वीं क्लास पास करने के बाद एरोनॉटिक्स, एविएशन, एयरोस्पेस, एस्ट्रोफिजिक्स आदि स्ट्रीम से ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए आपको बता दें कि इन कोर्स में पीएचडी भी उपलब्ध है। आप चाहें तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में बीटेक भी कर सकते हैं। इन कोर्स को पूरा करने के बाद आपको नासा या इसरो जैसे संस्थानों में काम करने मौका मिल सकता है। साथ ही, इसमें सैलरी भी अच्छी मिलती है।

एक्सपर्ट से जानें कैसे चुनें अपने लिए सही करियर

करियर के बारे में सोचकर आप भी परेशान हो जाते होंगे? क्या करें और क्या नहीं, कुछ समझ नहीं आता होगा? एक्सपर्ट कहते हैं पहले खुद को जानना है ज्यादा जरूरी उसके बाद ही चुन पाएंगे खुद के लिए बेहतर करियर।

जब मैं छोटी थी और कोई पूछता था कि मुझे क्या बनना है, तो मैं कहती थी डॉक्टर। फिर बड़ी हुई, लिखने की ओर रुचि बढ़ने लगी तो सोचा इसी फील्ड में कुछ किया जाए। बस, थोड़ा इधर-उधर होने के बाद मैंने अपने लिए एक राह चुन ली। हममें से अधिकांश युवा कभी-कभी तय नहीं कर पाते कि आखिर हम करना क्या चाहते हैं। कुछ जो अपने लिए करियर चुन लेते हैं, उन्हें भी यह दुविधा रहती है कि क्या वे सही दिशा में हैं। किसी भी करियर को चुनने से पहले आपका नजरिया कुछ चीजों के लेकर एकदम साफ होना चाहिए।

अपने बारे में जानें

हम लोग कई बार अपनी यूनीकनेस, कमजोरियों और प्रतिभाओं से अनजान रहते हैं। अपने सही करियर को चुनने के लिए जरूरी है खुद के बारे में जानना। अपना आत्म-मूल्यांकन कीजिए और अपनी स्ट्रेंथ को पहचानें, जहां आप की कमी रह जाती है, उस एरिया को पहचानें। आत्म खोज की यह यात्रा इंटरनल और पर्सनल होती है। एक लाइफ कोच आपको आपके कौशल को तलाशने में मदद कर सकता है। इसलिए किसी लाइफ कोच की भी मदद ली जा सकती है। जब आपको पता चल जाएगा कि आपकी स्ट्रेंथ क्या है। आपका फोर्टे क्या है, तो आपके लिए करियर चुनना भी मुश्किल नहीं होगा।

जो भी हो, सब लिखें

अपने करियर को प्लान करें और उसे उसी तरह आगे बढाएं। उस प्लान को ही अपनी सफलता की सड़क समझकर उस पर चल पड़ें। अपने छोटे और बड़े दोनों गोल्स को लिखें और जानने कि कोशिश करें कि आपके लिए क्या बेहतर है। खुद से सवाल करें कि कैसे आप एक गोल से दूसरे गोल तक पहुंचेंगी। क्या आपके लक्ष्यों से आपको खुशी मिलेगी। ऐसे कुछ सावलों को लिखें और उनका मूल्यांकन करें।

मेहनत करें और आगे बढ़ें

इससे मतलब नहीं है कि आपने कोई छोटी कंपनी स्टार्ट की है या कुछ नया काम शुरू किया है। आपको कड़ी मेहनत और लगन से काम करना होगा, तभी आपको सफलता मिलेगी। उत्साह के साथ ही दृढ़-संकल्प भी बहुत जरूरी है और यही आपको आगे के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार करेंगे। अगर कल आप कोई करियर चेंज भी करें तो आपका जुनून ही आपके दृष्टिकोण को अधिक सकारात्मक और व्यावहारिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। आप अपने काम को जितने प्यार से करेंगी उतना ही सफलता के करीब पहुंचेंगी।

डू नॉट गिव अप

बस यही फ्रेज आपको हमेशा याद रखना है। चाहे कुछ भी हो जाए, आपको चीजें सीखनी है और आगे बढ़ना है। ध्यान रखें कि सारी ताकत आपके अंदर ही होती है। अगर यह आपने समझ लिया तो आप हर कठिनाई को पार कर सकती हैं। इस बात को समझें कि आप जीवन में जो भी हासिल करना चाहें, उसके बीच परेशानियां आएंगी हीं, मगर आपको हार नहीं माननी है। ऐसी स्थिति में कमर कस लें, मजबूत बने रहें और आगे लड़ें। प्रत्येक दिन को वैसे ही लें जैसे वह आता है। सर्वाइवल स्किल्स और अनुभवों से सीखें और इसे अपना अंतिम लक्ष्य बना लें।

सकारात्मक रहें

हमें कभी भी सकारात्मक ऊर्जा को कम नहीं आंकना चाहिए। यदि आपको लगता है कि आप किसी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकते हैं, तो आप उसी तरह से सोचेंगी और वह आपके मन में बैठ जाएगा, जिससे यह अधिक संभावना होगी कि आप वो काम नहीं कर सकें। आपके इरादे आपकी वास्तविकता का निर्माण करते हैं, इसलिए अपने आप से ईमानदार होकर शुरुआत करें और यह पता लगाएं कि वह क्या है जो आपको सच्ची खुशी देता है। यह समझे कि अपने सपने को हकीकत में बदलना रातोंरात नहीं होगा, बल्कि इसके लिए इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता होगी।

दावा-रूस ने अबतक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया

इन्हें ब्रेनवॉश करके यूक्रेन के खिलाफ ही जंग लड़ने भेजा जा रहा

एजेंसी

कीव, यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस (एसबीयू) ने दावा किया है कि जंग शुरू होने के बाद से रूस ने अब तक 21 हजार यूक्रेनी बच्चों को किडनैप किया है। इन बच्चों को अलग-अलग ठिकानों पर रखकर उन्हें यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ने के लिए ब्रेनवॉश किया जा रहा है। वहीं, येल यूनिवर्सिटी के रिसर्च ग्रुप ने पब्लिक डेटाबेस और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसे 8400 से ज्यादा बच्चों की पहचान की है, जिन्हें यूक्रेन से प्लानिंग के तहत रूस भेजा गया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कुछ अरसा पहले कहा था कि हम कम से कम 11,000 बच्चों के नाम तो जानते हैं, जिन्हें जबरन रूस भेजा गया है। एसबीयू ने ऐसी करीब 150 जगहों का पता लगाया है, जहां इन बच्चों को या तो कैम्पों में या उनके कथित दत्तक परिवारों के पास रखा गया है। कुछ बच्चों को

मिलिट्री स्कूलों में भर्ती किया गया है। अब तक रूस ने सिर्फ 1200 यूक्रेनी बच्चों को ही वापस भेजा है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) इन बच्चों की किडनैपिंग को वॉर क्राइम करार दे चुका है। वहीं नीदरलैंड्स के हेग स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) इस मामले में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को वॉर क्रिमिनल घोषित करके उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका है। बीते कुछ महीनों में ट्रम्प के साथ अपनी बातचीत में जेलेंस्की ने बार-बार गुमशुदा बच्चों का मुद्दा उठाया है। मई में अमेरिकी सीनेट के एक ग्रुप ने भी एक प्रस्ताव पेश कर कहा था कि रूस के साथ किसी भी शांति समझौते को अंतिम रूप देने से पहले सभी यूक्रेनी बच्चों की वापसी तय होनी चाहिए। जंग शुरू होने के बाद से अब तक 50 लाख यूक्रेनी बच्चे को पलायन करना पड़ा है। इससे बच्चों के शिक्षा संबंधी और अन्य अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा उन 16 लाख बच्चों को सबसे ज्यादा मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है, जो यूक्रेन के उन हिस्सों में रह रहे हैं, जिन पर अब रूस का कब्जा है। रूस ने यूक्रेन के करीब 20% हिस्से, यानी लगभग 1 लाख 14 हजार 500 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा कर रखा है। इसमें क्रीमिया, डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन, और जापोरिजिया जैसे क्षेत्र शामिल हैं। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है।

उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी। फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को तानाशाह कह दिया। मई 2025- रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति बातचीत 2025 में तेज हुई, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल के बाद। हाल के दिनों में कैदी अदला-बदली हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण और सुरक्षा गारंटी पर मतभेद बने हुए हैं।

न्यूयॉर्क के होटल में गोलीबारी, 3 की मौत, 8 घायल

आपसी विवाद के बाद हमला; आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के न्यूयॉर्क में रविवार को कई बंदूकधारियों ने ब्रुकलिन के एक होटल में लोगों पर गोलीबारी कर दी, जिसमें 3 लोग मारे गए और 8 घायल हो गए। ब्रुकलिन पुलिस कमिश्नर के मुताबिक, आपसी विवाद के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। मरने वाले तीनों पुरुष हैं।

घायलों को फौरन पास के अस्पतालों में एडमिट किया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी

नहीं हुई है। घटनास्थल से 36 कारतूस और एक बंदूक बरामद हुई है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से सबूत जुटा रही है। जिस होटल में गोलीबारी की गई उसका नाम 'टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज' है, इसे 2022 में खोला गया था और यह अमेरिकी और कैरेबियन व्यंजनों, हुक्का, बार और डीजे म्यूजिक के लिए फेमस है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रेस्टोरेंट के अंदर खून के धब्बे और टूटे शीशे बिखरे नजर आ रहे हैं।

न्यूयॉर्क में इस साल गोलीबारी की 412 घटनाएं दर्ज

न्यूयॉर्क में इस साल जनवरी से जुलाई तक गोलीबारी की कुल 412 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो बीते सालों के मुकाबले सबसे कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूयॉर्क में 2021 में गोलीबारी की 1562 घटनाएं, 2022 में 1261 घटनाएं, 2023 में 974 घटनाएं और 2024 में 903 घटनाएं दर्ज की गई।

ट्रम्प ने वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड की तैनाती बढ़ाई

तीन राज्यों से 700 सैनिक बुलाए; राष्ट्रपति बोले थे- राजधानी में हालात काबू से बाहर

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प राजधानी वॉशिंगटन डीसी में और ज्यादा गार्ड तैनात करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके आदेश पर वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना और ओहियो के गवर्नरों ने शनिवार को अपने राज्यों के नेशनल गार्ड्स को वॉशिंगटन भेजने की घोषणा की है। वेस्ट वर्जीनिया से 300-400, साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से करीब 150 नेशनल गार्ड आएंगे। अभी वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं। इन्हें सीधा ट्रम्प कंट्रोल करते हैं। इन तीन राज्यों से लगभग 700 एक्स्ट्रा सैनिकों के आने से वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी। हालांकि नेशनल गार्ड्स की तैनाती को लेकर शनिवार को लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले 12 अगस्त को ट्रम्प ने वॉशिंगटन को केंद्र सरकार के कंट्रोल में ले लिया था। उन्होंने कहा कि राजधानी में हालात काबू से बाहर हैं, राजधानी में बिगड़ी कानून व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना जरूरी है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि उन्होंने राजधानी में 'डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया होम रूल एक्ट की धारा 740' लागू कर दी है। इसका मतलब है कि डीसी मेट्रोपॉलिटन पुलिस अब सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में काम

करेगी। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कहा, 'हमारी राजधानी को हिंसक गिरोहों और अपराधियों ने घेर लिया है। 2024 में हिंसक अपराध 30 साल के निचले स्तर पर पहुंचे। हम नेशनल गार्ड की मदद से कानून और व्यवस्था बहाल करेंगे।' इस साल वॉशिंगटन डीसी में 98 लोगों का कत्ल हो चुका है और नस्लीय झगड़ों के कारण 3782 लोग बेघर हुए हैं। अमेरिका में ट्रम्प के इस कदम की आलोचना हो रही है। वॉशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोउजर ने कहा- शहर में क्राइम नहीं बढ़ा है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में हिंसक अपराध 35% कम हुआ और 2025 के पहले सात महीनों में 26% की कमी आई। कुल अपराध भी 7% घटा है। हालांकि, गोलीबारी चिंता का विषय है। 2023 में अमेरिका में गोलीबारी से होने वाली हत्याओं में वॉशिंगटन तीसरे स्थान पर था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा उन्होंने 1970 के होम रूल एक्ट का इस्तेमाल किया है। यह राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि वह इमरजेंसी की हालत में 48 घंटे तक शहर की पुलिस का नियंत्रण ले सकते हैं। कानून के मुताबिक, अगर राष्ट्रपति वॉशिंगटन डीसी से जुड़े कानून बनाने वाली संसद की समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों को इसकी जानकारी दे दें, तो पुलिस का नियंत्रण लंबे समय तक रखा जा सकता है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि ट्रम्प ने यह औपचारिक सूचना दी है या नहीं।

नियम के मुताबिक अगर शहर पर कंट्रोल 30 दिनों से ज्यादा रखना हो, तो इसके लिए संसद में कानून पास कराना जरूरी होता है। ट्रम्प ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में भी 5 हजार नेशनल गार्ड तैनात किए थे, जिसका स्थानीय नेताओं ने विरोध किया था। वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड की तैनाती का अधिकार राष्ट्रपति के पास है, क्योंकि यह केंद्र शासित क्षेत्र है।

गाजा से लोगों को हटाना नरसंहार की नई लहर, इजराइल पर हमास ने लगाए आरोप

एजेंसी

फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास ने रविवार को इजराइल की नई योजना को 'नरसंहार और विस्थापन की एक नई लहर' बताया है। यह योजना गाजा शहर के निवासियों को दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित करने की है। हमास ने इसे 'सरासर धोखा' करार दिया। इजराइली सेना ने कहा है कि वह गाजा के निवासियों को युद्ध क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए दक्षिणी गाजा में तंबू और अन्य आश्रय सामग्री उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। इसके जवाब में, हमास ने एक बयान में कहा

कि मानवीय सहायता के नाम पर तंबू लगाना सिर्फ एक दिखावा है, जिसका मकसद एक 'क्रूर अपराध' को छुपाना है, जिसे इजराइल अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। इजराइल ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि वह गाजा के सबसे बडे शहरी केंद्र, उत्तरी गाजा शहर पर नियंत्रण हासिल करने के लिए एक नया आक्रमण शुरू करेगा। इस योजना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढा दी है, क्योंकि गाजा में लगभग 22 लाख लोग रहते हैं। यह युद्ध 7 अक्टूबर, 2023 को शुरू हुआ था, जब हमास ने दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था। इस हमले में 1,200 लोग मारे गए और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। माना जाता है कि बंधक बनाए गए लोगों में से लगभग 20 अभी भी

> हमास ने इजराइल की गाजा शहर के निवासियों को दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित करने की योजना को 'नरसंहार और विस्थापन की नई लहर' करार दिया है। इजराइल इसे सुरक्षा उपाय बता रहा है, लेकिन हमास का आरोप है कि तंबू लगाना एक 'क्रूर अपराध' को छुपाने का प्रयास है क्योंकि इजराइल गाजा शहर पर बड़े हमले की तैयारी कर रहा है।

गाजा में जीवित हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास के खिलाफ इजराइल के बाद के सैन्य हमलों में 61,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इस युद्ध के कारण गाजा में भुखमरी का संकट भी पैदा हो गया है, अधिकांश आबादी विस्थापित हो चुकी है और पूरा इलाका खंडहर में तब्दील हो गया है।

गुरुग्राम में एल्विश यादव के घर कई राउंड फायरिंग, बाल-बाल बचे परिजन, हमलावरों की तलाश जारी

एजेंसी

एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर पर सुबह-सुबह ताबड़तोड़ फायरिंग से हड़कंप मच गया! अज्ञात बदमाशों ने 20-24 राउंड गोलियां चलाईं, लेकिन किस्मत से बिग बॉस विजेता एल्विश घर पर मौजूद नहीं थे और उनका परिवार सुरक्षित है। गुरुग्राम पुलिस ने हमलावरों की तलाश तेज कर दी है।

रविवार सुबह बिग बॉस विजेता एल्विश यादव के गुरुग्राम स्थित घर पर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 5:30 बजे सेक्टर 57 में हुई, जब बाइक पर सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने उनके घर पर 20 से 24 राउंड से भी ज्यादा गोलियां चलाईं और फिर मौके से फरार हो गए।

घटना के समय घर पर नहीं थे एल्विश

जिस समय हमला हुआ, एल्विश यादव घर पर नहीं थे। वह अपने काम के सिलसिले में शहर से बाहर थे। हालांकि, उनके परिवार के कुछ सदस्य और केयरटेकर घर के अंदर ही मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई। गुरुग्राम पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी संदीप कुमार ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि तीन नकाबपोश बदमाशों ने गोलीबारी की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। साथ ही, इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद, पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और परिवार की ओर से शिकायत दर्ज होने के बाद आगे की जांच की जाएगी।

परिवार को नहीं मिली थी कोई धमकी

एल्विश यादव के पिता ने बताया कि इस घटना से पहले उन्हें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली थी। उन्होंने यह भी कहा कि हमलावरों ने मोटरसाइकिल से आकर गोलीबारी की। उनमें से दो बाइक से उतरे और अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जबकि एक बाइक पर ही बैठा रहा।

कौन हैं एल्विश यादव?

27 वर्षीय एल्विश यादव एक लोकप्रिय यूट्यूबर हैं, जिन्होंने 2023 में बिग बॉस ओटीटी 2 जीतकर काफी शोहरत हासिल की थी। उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। वे म्यूजिक वीडियो और फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। हालांकि, एल्विश का नाम विवादों में भी रहा है। पिछले साल, उन्हें नोएडा पुलिस ने रेव पार्टियों में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोप में गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी

निर्वाचन आयोग के कंधों पर लोकतंत्र बचाने का ऐतिहासिक दायित्व : अखिलेश

आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है

> निर्वाचन आयोग को सुधार ही नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है। आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व उसके कंधों पर है। माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं लेकिन वो ये न समझे कि वो अकेले हैं।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि वर्तमान में लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व निर्वाचन आयोग के कंधों पर है और जब आयोग सही रास्ते पर चल पड़ेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा। यादव ने यहां जारी एक बयान में कहा कि आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग को सुधार ही नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है। आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व उसके कंधों पर है। माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं लेकिन वो ये न समझे कि वो अकेले हैं। यादव ने कहा, जब निर्वाचन आयोग सही रास्ते पर चल निकलेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उनका रक्षा कवच बन जाएगा। सत्य के मार्ग पर चलनेवालों के साथ जनता और जनविश्वास स्वयं चलने लगता है। निर्वाचन आयोग का एक सही और साहसिक कदम देश की अनंत पीढ़ियों का भविष्य और कल्याण सुनिश्चित कर सकता है। सबको अंतरात्मा की आवाज सुननी चाहिए।उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, समाजवादी पार्टी ने वोट की डकैती के 18 हजार शपथ पत्र भारत निर्वाचन आयोग को दिए लेकिन कार्रवाई सिफर रही। उन्होंने कहा कि गलत कार्यों और कारनामों की एक लंबी फेहरिस्त बनती जा रही है, जिनका न तो अब तक कोई जवाब आया है और ह्न ही हमारे दिए गए हलफनामों काह्न कोई उत्तर मिला है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा है कि चुनाव आयोग को सुधार हीं नहीं, आमूलचूल परिवर्तन की अपरिहार्यता है. आज लोकतंत्र को बचाने का ऐतिहासिक दायित्व उनके कंधों पर है. माना उनके ऊपर कई प्रकार के अवांछित दबाव काम कर रहे हैं लेकिन वो ये न समझें कि वो अकेले हैं. जब चुनाव आयोग सही रास्ते पर चल निकलेगा तो करोड़ों भारतवासियों का साथ उसका रक्षा कवच बन जाएगा. सत्य के मार्ग पर चलनेवालों के साथ जनता और जन विश्वास स्वयं चलने लगता है. आपको बता दें कि कुछ दिन पहले 'इंडिया' गठबंधन के सांसद रकफ और कथित ह्यह्यवोट चोरी'' के खिलाफ संसद भवन से चुनाव आयोग दफ्तर तक मार्च निकाला था.जब मार्च करते हुए सांसदों को रोका गया था

कांग्रेस नेता ने आरएसएस को बताया इंडियन तालिबान

बीजेपी बोली- कांग्रेस हर राष्ट्रवादी संगठन को गाली देती है, उसे सिर्फ पीएफआई सिमी जैसे संगठनों से प्यार

एजेंसी

नई दिल्ली ,वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद के आरएसएस को तालीबान कहने के बयान पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस हर राष्ट्रवादी संगठन को गाली देती है और पीएफआई व सिमी जैसे प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठनों से प्यार करती है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता तालिबानी है। महात्मा गांधी और जयप्रकाश नारायण ने आरएसएस की प्रशंसा क्यों की (पूर्व राष्ट्रपति और कांग्रेस के दिग्गज नेता) दिवंगत प्रणब मुखर्जी आरएसएस मुख्यालय क्यों गए थे? मैं फरर की तुलना तालिबान से ही करूंगाः बीके पूर्व सांसद बीके हरिप्रसाद ने शनिवार

को समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में आरएसएस की तारीफ करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा- वे (आरएसएस) देश में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आरएसएस की तुलना तालिबान से ही करूंगा, वे भारतीय तालिबान हैं और प्रधानमंत्री लाल किले से उनकी सराहना कर रहे हैं। आजादी की लड़ाई में नहीं है आरएसएस का योगदान पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा- क्या कोई संघी था, जिसने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया था? यह शर्म की बात है कि आरएसएस एक पंजीकृत संगठन नहीं है।

उपराष्ट्रपति चुनाव- सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उम्मीदवार होंगे

नड्डा ने ऐलान किया, अभी महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं; 21 अगस्त को नॉमिनेशन करेंगे

> उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है।

एजेंसी

नई दिल्ली , महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की बैठक में इस पर सहमति बनी। नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया। राधाकृष्णन 21 अगस्त को नामांकन दाखिल करेगा। इस दौरान एनडीए शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त

2027 तक था।

संसद में एनडीए के पास बहुमत

लोकसभा में कुल सांसदों की संख्या 542 है। एक सीट खाली है। एनडीए के 293 सांसद हैं। इसी तरह राज्यसभा में 245 सांसद हैं। 5 सीट खाली हैं। एनडीए के पास एक129 सांसद हैं। यह मानते हुए कि उपराष्ट्रपति के लिए नामांकित सदस्य भी एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। इस प्रकार, सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को कुल 422 सदस्यों का समर्थन हासिल है। बहुमत के लिए 391 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अगस्त 2022 में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। वहीं, विपक्षी उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को सिर्फ 182 वोट मिले थे। तब 56 सांसदों ने वोट नहीं डाला था।

भाजपा की तरफ से थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार

भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। फिलहाल जिन नामों पर पार्टी में विचार चल रहा है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। दूसरा नाम सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी है।